हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

14 दिसम्बर, 2005

खण्ड–3, अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 14 दिसम्बर, 2005

पृश्ठ संख्या

शोक प्रस्ताव	(1)
ताराकित प्र ान एवम उतर	(1)11
नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर	(1)28
अताराकित प्र ान एवम उतर	(1)36
घोशणाए	
(क) अध्यक्ष द्वारा,	(1)41
चेयरपर्सनज के नामो की सूची	(1)41
अनुपस्थिति संबधी सूचना	(1)41
सचिव द्वारा	(1)42
(ख) राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सम्बन्धी	

बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी का पहली रिपोर्ट	(1)42
वाक आउट	(1)44
सदन की मेज पर रखे गए/पुन रखे गए कागज पत्र	(1)45
विधान कार्य	(1)47
दि हरियाणा हाऊसिंग बोर्ड (अमैडमैट) बिल, 2005	(1)47
दि कुरूक्षेत्र भाराइन (रिपील) बिल, 2005	(1)48
दि हरियाणा पचायंती राज (अमैडमैट) बिल, 2005	(1)52
दि हरियाणा पचायंती राज (अमैडमैट) बिल, 2005	(1)55
दि हरियाणा पचायंती राज (सैकण्ड अमैडमैट) बिल, 2005	(1)56
दि हरियाणा इण्स्ट्रियल प्रोमी ाल बिल, 2005	(1)58

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 14 दिसम्बर, 2005

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार एच0एस0चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Chief Minsiter will make obituary refernces.

मुख्यमंत्री(श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवे ान के समाप्त होने के बाद और इस अधिवे ान समाप्त होने के भाुरू तक बहूत से गण मान्य सदस्य हमारे बीचम मे नही रहे है जिसमे श्री के0आर0 नारायणन और दूसरे इम्पोटैंट सदस्य है। उनके बारे मे मै सदन मे भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हू।

श्री के0आर. नारयण, भारत के भूतपूर्व राश्ट्रपति

यह सदन भारत के राश्ट्रपति श्री के0आर0 नारायणन के 9 नवम्बर, 2005 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 27 अक्तूबर, 1920 को हुआ। उन्होने ट्रावनकोर वि ववविधालय मे प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अग्रेंजी साहित्य मे स्नातकोतर की डिग्री प्राप्त की तथा लंदन स्कूल आफ

इकनाकिमस से राजनीति ाास्त्र मे वि ोशता के साथ बी0एस0सी0 अर्थ ाास्त्र आनर्स प्रथम श्रेणी मे उर्तीण की। उन्होने समाचार पत्र हिन्दू, मद्रास और टाइम्स आफ इंडिया, बम्बई मे एक पत्रकार के रू प मे कार्य किया। इसी दौरान उन्हे गांधी जी मे साक्षात्कार लेने का अवसर मिला।

ये 1949 प्रतिश्ठित भारतीय विदे ा सेवा मे भाामिल हुए। वे वि ाव के प्रमुख दे ाों मे राजदूत रहे तथा 1976 मे विदे ा सचिव बने। वे 1978 से 1980 तक जवाहन लाल नेहरू वि वधिालय मे उप कुलपति रहे। इसे उपरांत वे 1980 से 1984 तक संयुक्त राज्य अमेरिका मे राजदूत रहे।

वे 1984, 1989 और 1991 मे तीन बार लोकसभा के लिए चुने गये तथा 1984–89 के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे। वे 1992 के भारत के उप राश्ट्रपति चुने गए तथा 1997 मे भारत के राश्ट्रपति के सर्वोच्च पद को सु ाोभित किया। श्री के0आर0 नारायणन बहु आयामी व्यक्तिव्य के धनी थे, जो केवल कठिन परिक्षम के बल पर राश्ट्र के सर्वोच्च सवैधानिक पद पर पहुचे।

गहर अध्ययन ाील एवम लेखनी के धनी श्री नारायायन ने कई पुस्तके लिखी तथा पत्र पत्रिकाओ मे सामाजिक, राजनैतिक अन्तर्राश्ट्रीय एवम साहित्यिक विशयों पर नियमित रूप से लेख लिखे। दे ा विदे ा मे अनेक वि ववविधालयो ने उन्हे डांक्टरेट की मानद उपाधिंयों से सम्मानित किया। वे भौक्षणिक, सांस्कृतिक

इत्यादि अनेक सगठनों से जुडे रहे। वे सवैधनिक सुचिता के प्रबल पक्षधर थे तथा कमजोर वर्गो के हितों के सच्चे हितैशी थे। उनकी वि ाश्ठ सेवाओ के कृतज्ञ राश्ट्र याद रखेगा। उन्होने अपने लम्बे तथा य ास्वी जीवन मे ि ाक्षाविद्, पत्रकार, राजनयिक एवम राजनीतिज्ञ के रूप मे अमिट छाप छोडी।

उनके निधन से दे ा एक सुप्रसिद्ध ि ाक्षाविद्, अनुभवी राजनयिक, दुरद र्ी राजनेता कु ाल प्र ाावसक एवमएक वि ाश्ट सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

श्री ि ाव राम वर्मा, भारत के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन भारत के मंत्री श्री ि ाव राम वर्मा के 21 नवम्बर, 2005 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 15 अप्रैल, 1917 को हुआ। वे 1967, 1972 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वे 1979 से 1982 तक मंत्री रहे। वे सामाजिक बुराइयों के विरूद्ध आजीवन संघर्शरत रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

श्री जोगेन्द्र सिंह, भारत के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन भारत के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री जोगेन्द्र सिंह, 16 अगस्त, 2005 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 10 जून, 1940 को हुआ। वे 1968, 1972 और 1991मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वे 1991 से 1996 तक राज्य मंत्री रहे। उनकी कु ती के प्रति गहरी रूचि थी और वे स्वय भी अच्छे पहलवान थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

श्री गोपी चंद गुप्ता, सयुक्त पजां विधान सभा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन संयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री गोपी चन्द गुप्ता के 11 दिसम्बर, 2005 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका स्वतंत्रता आदोलन मे सक्रिय भाग लिया और जेल गए। वे 1952 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

आनोरी कैप्टन उमरपव सिंह, विक्टोरिया क्रांस विजेता

यह सदन भारत के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री जोगेन्द्र सिंह, 16 अगस्त, 2005 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

वे द्वितीय वि व युद्ध के वीर नायक थे। वे 10 जनवरी, 1938 को भारतीय तोपखाने की 22वी रेजिमेंट मे भर्ती हुए। उन्होने दिसम्बर, 1994 मे वर्मा क्षेत्रमे अकेले ही एक जबरदस्त जापानी हमले को नाकाम किया। उन्हे बाद मे अपनी तोप के पस असहाय अवस्था मे पाया गया। उनके भारीर पर सात गहरे घाव थे

तथा उन्हे पहचाना नही जा रहा था। उनके इर्द गिर्द दस जापानियों की ला ो पडी हुई थी। उन्होने भाानदार वीरता, भाौर्य और कर्तव्य के प्रति निश्ठा का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया। इस बहादुरी के लिए उन्हे विक्टोरिया क्रांस से सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष महोदय उनकी याद मे उनके गांव पलडा मे 27 तारीख को स्पे ाल भर्ती की जा रही है।

उनके निधन से दे ा एक वीर सैनिंक तथा हरियाणा एक महान् सपूत की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने दे ा की आजादी के संघर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया। वे एक एक करके हमारे को छोडकर जा रहा है।

इन महान स्वन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार है:

1. श्री गणपत राय भार्मा, गांव हुमांयुपुर, जिला सोनीपत।

2. श्री प्रभुदयाल, गांव मुमताजपुर, जिला रेवाडी।

3. श्री मांगे राम, गांव सुनारियां कंला, जिला रोहतक।

4. श्री जय सिंह, गांव ढिगांना, जिला जीन्द।

5. श्री बख्तावर सिंह, गांव लहराडा, जिला सोनीपत।

6. श्री केहर सिंह, गांव जमालपुर, जिला गुडगांव।

7. श्री राम सिह, गांव ललहेडी खुर्द, जिला सोनीपत।

8. श्री मं ी राम, गांव बरौदा, जिला सोनीपत।

9. श्री केहर सिंह, गांव भापडौदा जिला झज्जर।

10. श्री दाना राम, गांव बिचपडी, जिला हिसार।

11.श्री जागे राम, गांव हुमायुपुंर, जिला झज्जर।

12. श्री उमराव, गांव हुमायुपुंर, जिला झज्जर।

13. श्री जागे राम, गांव मातनहेल, जिला झज्जर।

14.श्री सुखराम लाखलाण, गांव सुरपुरा, जिला भिवानी।

15.डा0 फतेहचन्द, फरीदाबाद।

16.श्री चमनलाल पुनियानी, अम्बाला।

17.श्री उदय सिह, गांव किला जफरगढ, जिला जींद।

18. श्रीमती वीरां देवी, असन्ध, जिला करनाल।

19. श्री रामस्वरूप, गांव किश्किंधा, जिला भिवानी।

20. श्री भगवान सिंह, गांव झावरी, जिला भिवानी।

21. श्री अजीत सिंह, गांव हडौदी, जिला भिवानी।

22. श्री रती राम, गांव गढी, जिला हिसार।

23. श्री बनारसी दास, महम, जिला रोहतक।

24. श्री जीवन दास, गांव कहनौर, जिला रोहतक।

25. श्री हरदत सिंह, गांव स्याहडया, जिला हिसार।

26. श्री पूरण सिंह, गांव फरीदपुर, जिला फरीदाबाद।

यह सदन इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों को भात भात नमन करात है और इनको भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के भाहीद

यह सदन उन वीरो को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार हैः—

1. लैफ्टिनेंट कमांडर आंकारसिंह, भााति नगर पानीपत।

2. कैप्टन महेन्द्र सिंह, गांव कासनी, जिला झज्जर।

3. लैफ्टिनेंट समित, गांव बादली, जिला झज्जर।

4. सुबेदार सुरेन्द्र सिह, गांव नौरगंबाद, जिला भिवानी।

5. सुबेदार सत्यनारायण मोर, गांव बरौदा, जिला सोनीपत।

6. सुबेदार जगदी ा चन्द्र, गांव गोसाई खेडा, जिला जीन्द।

7. सहायक उप निरीक्षक अजीत सिंह, गांव गोकलगढ, जिला रेवाडी।

8. नायक खडक सिंह, गांव मीरपुर कौराली, जिला फरीदाबाद

9. नायक रिसाल सिंह, गांव दूलोठ, जिला महेन्द्रगढ।

10. हवलदार राजवीर, गांव केलांगा, जिला भिवानी।

11. हवलदार गिन्द्र सिंह, गंव केलांग, जिला भिवानी।

12. हवलदार राजेद्र सिंह, गांव ढांणी कोलाणा, जिला रेवाडी।

13. हवलदार र ाीद अहमद, गांव सिरौली, जिला गुडगांव।

14. हवलदार कर्ण सिह, गांव मानकावास, जिला भिवानी।

15. हवलदार सतबीर सिंह यादव, गांव नोताना, जिला महेन्द्रगढ।

16. हवलदार सुभाश चन्द्र, गांव गुलियान, जिला कैथल।

17. हवलदार बिजेन्द्र सिंह, गांव लाढौत, जिा रोहतक।

18.लांस नायक हरजिन्द्र सिंह, गांव तेपला, जिला अम्बाला।

19. लांस नायक राम कि ान, गांव मामडिया आसनपुर, जिला रिवाडी।

20. लांस नायक य ापाल, गांव रोहणा, जिला सोनीपत।

21.सिपाही महेन्द्र सिंह, गांव ढाणी जोरावत, जिला रेवाडी।

22. सिपाही नरे ा कुमार, गांव नौरंगाबाद, जिला भिवानी।

23. सिपही धर्म सिंह, गांव निमडी, जिला भिवानी।

24. सिपाही बिजेन्द्र यादव, गांव निामोड, जिला रेवाडी।

25. सिपाही बलदेव सिंह, गांव फर्कपुर, जिला यमुनानगर।

26. सिपाही संदीप धनखड, गांव आलियार ढाणा, जिला गुडगांव।

27. सिपाही प्रदीप कुमार, गांव मानकपुर ललहाडी, जिला यमुनानगर।

28. सिपाही प्रदीप, गांव अलेवा, जिला जींद।

29. सिपाही मुके ा, गांव बीरण, जिला भिवानी।

30. सिपाही राम कुमार, फतेहबाद।

31. सिपाही बिजेन्द्र सिह, गांव बलियाणी, जिला भिवानी।

32. सिपाही जय प्रका ा, गांव लडायन, जिला झज्जर।

33. सिपाही राजेन्द्र सिंह, गांव रधना, जिला सिरसा।

34. सिपाही सुरे ा, गांव बिसान, जिला झज्जर।

35. सिपाही सुखबीर, गांव सीसर, जिला रोहतक।

36. सिपाही वीरेन्द्र पाल, जगाधरी, जिला यमुनानगर।

37. सिपाही कृश्ण कुमार, गांव खेडी भोरंखा, जिला कैथल।

38. सिपाही करता, गांव बोसवाल, जिला फतेहबाद।

39. सिपाही राजकुमार, गांव निलौठी, जिला झज्जर।

40. सिपाही प्रवीण कुमार, गांव खुडाना, जिला महेन्द्रगढ।

41. सिपाही सुरजीत सिंह, बराडा, जिला अम्बाला।

यह सदन इन महान् वीरों की भाहादत पर इन्हें भात भात नमन करता है और इनको भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

भीशण भूकम्प

यह सदन 8 अक्तूबर, 2005 को जम्मू क ामीर तथा पाकिस्तान मे आए भीशण भूकम्प मे मारे गए हजारो लोगो के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। इस भूकम्प मे हुई क्षति अकल्पनीय है। इस भूकम्प से लोगो पर जो कहर बरपा, उसका भाब्दो मे वर्णन नही किया जा सकता।

यह सदन दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है और भूकम्प पीडितों के भाीघ्र पुनर्वास की कामना करता है।

दिल्ली बम विस्फोट त्रासदी

यह सदन 29 अक्तूबर, 2005 को दिल्ली मे हुए बम विस्फोट मे मारे गए मासूमो के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन ऐसी जघन्य घटना की घोर निन्दा करता है तथा दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है

यह सदन हरियाणा के ि ाक्षा मंत्री श्री फूल चंन्द मुलाना की माता, श्रीमती नत्थी देवी और धर्म पत्नी श्रीमती पुश्पा देवी। हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद के चचेरे भाई, श्री इस्लाम; हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री धर्मवीर सिंह की माता, श्रीमती फलपति; हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री निर्मल सिह के भांजे, श्री विक्रम सिंह; हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री धर्मबीर गाबा के भाई लैफ्टिमेंट कर्नल (सेवानिवृत) वेद प्रका ा गांबा; हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री परमवीर सिंह के भाई, श्री हरमीत सिंह तथा हरियाणा के वित मंत्री श्री वीरेन्द्र सिह के साले मे बेटे, श्री अर्जुन के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतो के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है

डा0 सु ाील इन्दौरा (एस0सी0 ऐलनाबाद): आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री जी और इस सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन मे रखा है मै उसका अनुमोदन करता हू और मै अपनी और से, अपनी पार्टी की तरफ से और पार्टी के नेता चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की तरफ से इन सभी दिवंगत आत्माओ के परिवारो के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हू। सबसे पहले भारत के पूर्व राश्ट्रपति श्री के.आर. नारयणन जो एक आम आदमी से अपनी मेहनत और काबलियत के दम पर भारतवर्श के प्रथम पुरूश के पर पर पहुचे के प्रति भाोक प्रकट करता हू। जब मै सांसद था उस समय वे भारत के राश्ट्रपति थे। मुझे उनसे मिलने का कई बार मौका मिला। उनकी जो कार्य भौली थी उसे देखकर लगता था कि ऐसे लोग चाहे सामाजिक स्तर पर और चाहे राजनैतिक स्तर पर हो वे दे ा की सेवा करे। उन्होने हर बात अपने हक की बात कही। इस बारे मे हमे कई उदाहरण उनके देखने को मिल सकते है। माननीय श्री के0आर0 नारायणन को अगर कोई बात दे ा के प्रति सही नही लगी तो उन्होने उस बात को सही ढंग से अपनाने के लिए कह। ऐसे लोग अगर दुनिया से चले जाये तो उसका अभाव जरूर खलता है श्री के0आर0 नारायणन जी लोकसभा के सदस्य भी रहे और उन्होने सदन की गरिमा को बनाये रखा। यह हम सबके लिए बहुत जरूरी है कि अगर हम उनको सच्ची श्रद्धांजलि देते है तो हमे उनके आचरण पर चलते हुए हमे सदन की गरिमा और मर्यादा को अपनाना चाहिए।

ठसी प्रकार से इस सत्र और पिछले सत्र के बीच मे हमारे कई साथी जिन्होने राजनीतिक रूप से सेवा की और सदन के भीतर उनका अच्छा प्रभाव रहा वे हमारे से बिछूड कर चले गए। श्री ि ावराम वर्मा जो हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री रहे, हांलाकि मै उनको व्यक्तिगत तौर पर नही जानता लेकिन उनको बाते लोगो से सुनते है कि वे एक सामाजिक कार्यकर्ता और बडी सूझबूझ राजनीति के धनी व्यक्ति थे। उनके निधन पर मै अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक व्यक्त करता हू। श्री जोंगेन्द्र सिंह जो भूतपूर्व राज्य मंत्री थे, और श्री गोपी चन्द गुप्ता के निधन पर भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। माननीय कैप्टन उमराव सिंह जी जो विक्टोरिया क्रांस विजेता थे, वे अपने जख्मो की परवाह न करते हुए भी दे ा के प्रति इतना काम किया, उनके निधन पर मै गहरा भाोक प्रकट करता हू। हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी जिन्होने दे ा की आजादी की लडाई लडी और दे ा की आजादी के स्वतन्त्रता संग्राम मे कूदे और अपनी प्राण्धो की आहुति की परवाह न करते हुए उन्होने अपने दे ा को आजाद करवाने का काम किया और वे आज हमारे बीच मे नही रहे। जो 26 नाम दिए गए है मै उनके निधन पर इनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। हरियाणा के भाहीद जिन्होने हमारे दे ा की सीमाओ की रक्षा करते हुए अपनी जान की परवाह न करते हुए अपने प्राणो की बलि दी उनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। जो 8.10.2005 को

भीशण भूकम्प आया था, वह पाकिस्तान मे भी आया था। पाकिस्तान से हमारा पारिवारिक रि ता है, चाहे हमारी सीमाए बंटी हुई है लेकिन आज भी हमारे वहां मरे है, उन भाोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। एक हादसा दिल्ली मे हुआ, दिवाली का त्योहार जो खुि ाया का त्योहार होता है इस त्योहार से थोडा पहले ही जहा हम खुि ायां मानने जा रहे थे वही इस दे ा को उजाडने के लिये असामाजिक तत्वों ने एक बम विस्फोट किया जिसमे काफी बेकसूर लोग मारे गये, उनके परिवार के प्रति मै गहरा भाोक प्रकट करता हू। इसके साथ साथ हमारे मंत्री साथी श्री फूलंचन्द मुलाना जी को थेडे से अर्से मे ही दो असामयिक वेदनांए झेलनी पडी। पहले तो उनकी धर्म पत्नी का निधन हुआ फिर थोडे ही समय मे 4–6 महीने के अंतराल मे उनकी माता का भी निधन हो गया। मंत्री जी तो बहादुर व्यक्ति हैं। परमात्मा ने जो कर दिया सो कर दिया उसके आगे किसी का जोर नही चलता। मुझे उनकी धर्मपत्नी और माता के निधन पर गहरा दुख है। मैने इनसे दो तीन बार सम्पर्क साधने की कोि ा ा की, मै इनके घर भी गया और इनके दफतर मे भी व्यक्तिगत तोर पर नही मिल सका मंत्री जी आज बैठे है और मै अपना वह मलाल आज प्रकट करता हू। मै इनके परिवार के प्रति हार्दिक दुख और गहरा भाोक प्रकट करता हू। मै कल जब सै ान के लिए आ रहा था, मुझे किसी ने बताया कि धर्मबीर सिंह जी की माता जी गुजर गई है। धर्मबीर जी मेरे अच्छे मित्र है, मेरा उनसे पारिवारिक रि ता है। उनकी माता और हमारी मात मे कोई फर्क

नही है, मै स्वंय इनके घर जाकर भाोक संपत परिवार मे भाामिल होना चाहता था लेकिन हमे कई बार जानकारी नही हो पाती। आज धर्मबीर जी बैठे है मै दिल से इनकी माता के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। मां से सीखने के लिए बहुत कुछ मिलता है। मां के साथ बेटा क्षणिक भी बात कर ले तो पता नही मां का कितना आ ाीवार्द मिल जाता है। मुझे दुख है कि मेरे साथी भाई धर्मबीर जी अब मां के आ ाीवार्द से मरहूस हो गए। विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री आजाद मोहम्मद जी के चचेरे भाई श्री इस्लाम के निधन पर मै गहरा दुख प्रकट करता हू। निर्मल सिंह जी जो हमारे विधान सभा के सदस्य है, के भांजे श्री विक्रम सिंह के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। हमारे किसी भी साथी के साथ कोई दुखद घटना हो जाए तो हमारा सामाजिक स्वाभाविक और व्यावहारिक फर्ज बनता है कि हम उनके दुख मे भाामिल हो। धर्मबीर गाबा जी जो इस महान सदन के सदस्य है उनके भाई सेवानिवृत लैफ्टिनैंट कर्नल श्री वेद प्रका ा गांबा के निधन पर मै गहरा भाोक प्रकट करता हू। मै परमवीर सिंह के भाई श्री हरमीत सिंह के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। ये मेरी पार्लियामैट्री कस्टीच्यूंसी टोहाना से है, मेरा उनसे अच्छा रि ता रहा है। मै जब सांसद था तो टोहाना मेरी पार्लियामैट्री कंस्टीच्यूसी मे था। मेरा उनसे मिलता जुलना था। वे समाज सेवक के तौर पर जाने जाते थे। मै माननीय वित मंत्री जी के साले के बेटे श्री अर्जुन सिंह के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। इसके अलावा कई लोग एसे भी है जिनका पिछले सत्र मे इस सत्र

की बीच निधन हुआ है जो हमारी जानकारी मे नही है, कई न कही हमारे परिवार से जुडे है और सदन के साथियों से जुडे है, मै उनके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। हमारे पूर्वी मंत्री श्री एम0एल0 रंगा के पिता के निधन पर भी मै गहरा भोाक प्रकट करता हू वे सामाजिक और राजनीतिक तौर पर इस दे ा की सेवा करते रहे है।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, जो भाोक प्रस्ताव यहां आए है उन सबके परिवारों के प्रति मै अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू और भाोक प्रकट करता हू। वैसे तो जो आदमी इस धरती पर आता है उसे जाना ही होता है, उसी हिसाब से ही ये सब गए है लेकिन कई लोग ऐसे होते है जो पैदा होने के बाद मरते दम तक दे ा की सेवा करते रहे और दे ा के प्रति समर्पित रहते है। श्री0 के0आर0 नारायणन दे ा के ऐसे ही महन सपूत थे जिन्होने 36 बिरादरी के गरीब लोगो की बहुत ज्यादा सेवा की तथा समाज के प्रति समर्पित रहे। उनके लिए मै सबसे ज्यादा भाोक प्रकट करता हू और उनके परिवारो के प्रति संवदेना प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, अपने लिए तो हर आदमी काम करता है, बदामाि ांया भी करता हे, भौतानिया भी करता है और करप् ान भी करता है लेकिन ऐसे लोग बहुत ही कम होते है जो दे ा और समाज के लिए काम करते है। स्वतंत्रता सेनानियों ने दे ा और समाज के प्रति निर्लिस भाव से कम किया और दे ा और समाज के लिए समर्पित भव से काम किया। वि ोशकर

हरियाणा के भाहीदो को मै अपनी सच्ची श्रद्धाजलि अर्पित करता हू तथा उनके परिवारो के प्रति मै संवेदना प्रकट करते हुए उनके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै यहा पर भी कहना चाहूंगा कि इन भाोक प्रस्तावों मे एक नाम छूट गया है और मै यह निवेदन करता हू कि यह नाम भी इन प्रस्तावो की सूची मे जोड लिया जाए। हमारे इस सदन के पुराने सदस्य श्री सीता राम जी सिंगला का नौजवान बेटा गुजर गया है मै चाहता हू कि उनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावो की सूची मे जोडा जाए। अध्यक्ष महोदय, जितने लोगो के नाम इन भाोक प्रस्तावो मे भाामिल है उन सभी के परिवारो के प्रति मै हार्दिक संवेदना तथा गहरा भाोक प्रकट करता हू।

श्री नरे ा कुमार यादवः अध्यक्ष महोदय, इस सदन मे आज जो भाोक प्रस्ताव लगाया गया है मै उसका समर्थन करता हू। आदरणीय श्री के0आर0 नारयणन हिन्दुस्तान के गरीब, कमजोर और बैकवर्ड लोगो के मसीहा थे और जीवनपर्यन्त वे इन लोगो की सेवा मे समर्पित रहें उन्होने राश्ट्रपति के गरिमामय पद पर पहुच कर सच्चाई, जनकल्याण के लिए बहुत ही अच्छे कदम उठाए। उन्होन कभी भी किसी भी कदम पर रूकने की ंकोि ा ा नही की। हमारे प्रदे ा मे पानी की समस्या के मामले पर हम लोग श्री के0आर0 नारायण के आफिस मे पैदल मार्च करके पहुचे थे उनसे मिलने पर हमने यह जाना कि पानी के डिस्ट्रीब्यू ान के मामले वे कितने सीरियस और चिन्तित थे और वे चाहते थे कि

सारे प्रदे ा मे सभी जगहो पर पानी का इक्वल डिस्ट्रब्यू ान होना चाहिए। दुख का विशय है कि आज वे हमारे बीच मे नही रहे। उनके परिवार के प्रति मै गहरा भाोक तथा सवंदेना प्रकट करता हू। इन भाोक प्रस्तावो मे जितने भी लोगो के नाम भाामिल है मै अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से उनके परिवार के प्रति हार्दिक भाोक प्रकट करता हू। मातृभूमि की रक्षा के लिए जो जवान भाहीद हुए है उनके परिवारो के प्रति भी मै गहरी अपनी संवदेना प्रकट करता हू वि ोशकर हरियाणा प्रदे ा के चारो कोनो मे हम सुनते है कि हमारे नौजवान भाहीद होते रहे है। ऐनसिलरी कार्यवाही मे पहाडियो मे खबर आप जाती है कि हमारे जवान अपनी छाती पर गोली खाकर भाहीद हो गये हे उन सभी जवानो के परिवारो के प्रति मै अपनी संवदेन प्रकट करता हू और जितने भी नाम इस लिस्ट मे भाामिल है उन सभी के प्रति मै अपनी संवदेन प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही आदरणीय फूल चन्द मुलाना जी के साथ जबरदस्त हादसा हुआ उन्हे असहनीय क्षति को सहन करना पडा। उस वक्त विधानसभा सै ान चल रहा था और इनका एक पैर विधान सभा के अन्दर रहता था और दूसरा पैर होस्पिटल के अन्दर रहता था क्योंकि उस वक्त उन अपनी बीमार पत्नी को सम्भालने की जिम्मेदारी थी। उस वक्त उन्हे काफी मु कल का समाना करना पडा और बडी हिम्मत से इन्होने उसका मुकाबला किया। बहुत दुख की बात है इनकी पत्नी का स्वर्गवास हो गया और इसके साथ ही माता जी का जाना। उस दुख और मुसीबत की घडी मे इन्होने बडी हिम्मत से उसका सामना करना

पडा। मै इनके परिवार के प्रति हार्दिक संवदेना प्रकट करता हू। श्री जोगिन्द्र सिंह जोग को मै पर्सनली जानता था उनके साथ मुझे हिसार मे रहने का मौका मिला। अध्यक्ष महोदय, हमारे सदन के उपाध्यक्ष जी के चचरे भाई श्री इस्लाम, हमारे सदन के एक दूसरे सदस्य श्री परमवीर सिंह जी के भाई हरमीत सिंह विधायक श्री निर्मल सिंह के भांजे तथा चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी केसाले के बेटे श्री अर्जुन का देहानत हो गया है इस बारे मे हमे परसों ही पता चला था। चौधरी धर्मबीर सिंह जो हमारे भाई है, उनकी माता श्रीमती फूलपति जी को देहान्त हो गया है। इसके बारे मे हमे आज ही पता चला है। मै इन सभी साथियो के दुख मे स्वय को भाामिल करता हू और इनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू आज के इस सत्र मे पिछले सत्र के दौरान भाोक प्रस्ताव करता हू और अपनी सच्ची श्रद्धाजलि अर्पित करता हू। परमपिता परमे वर से यह प्रार्थना है कि वह इन दिवंगत आत्माओ को भाांति प्रदान करे और उनके परिवारो को इस असहनीय दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करे।

ि ाक्षा मंत्री श्री फूल चन्द मुलानाः आदरीणय अध्यक्ष महोदय, सदन के माननीय नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन मे रखे है मै ह्रदय से उनका समर्थना करता हू। भारत के पूर्व राश्ट्रपति श्री के0आर0 नारायण ने दे ा के सबसे दबे हुए तथा गरीब परिवार मै पैदा हुए अपनी मेहनत से उन्होन दे ा के सर्वोच्च पद राश्ट्रपति का पद प्राप्त किया। भारत राश्ट्रपति के तौर पर कार्य

करके उन्होने यह साबित करके दिखाया कि राश्ट्रपति केवल रबड स्टैम्प नही होता। अपनी काबलियत के आधार पर उन्होने इस दे ा के अन्दर राश्ट्रपति के पद को नई दि ाा दी। इस वर्तमान सत्र तथा पिछले सत्र के दौरान वे हमसे विदा हो गये।

मै अपनी और से और प्रान्त के सारे दलित समाज की ओर मै उनको श्रद्धा के सुमन अर्पित करता हू। इसी तरह से श्री ि ाव राम वर्मा और श्री जोगेन्द्र सिंह दोनो ही हमारे साथ सदन के सदस्य रहे है। वे बहुत सूझबूझ वाले सदस्य रहे है। उन्होने इस प्रान्त को सच्चे मन से सेवा की है। स्पीकर साहब, हमारे बीच मे से बहुत से स्वतन्त्रता सेनानी भी चले गऐ है। उन्होने दे ा की आजादी के लिए अग्रेंजो की जेलो मे अपनी आधाी जवानी काट है। उन्होने अपने बलिदान के बदले मे दे ा मे कभी कुछ नही मांगा है। श्रीमती इंदिरा गांधी और श्री राजीव गांधी जी ने उनके परिवारो को पे ांन देने का काम किया था हम उन्हे भात भात नमन करता है और उनके बलिदान के प्रति श्रद्धा के सुमन अर्पित करते है। इसी तरह से हमारे बीच मे से बहुत से सैनिक मातृभूमि की एकता और अखंडता के लिए बलिदान हो गए है। हमारे तेपला और ललहाडी तथा प्रदे ा की कई अन्य जगहो पर सिपाही भी भाहीद हो गए है हमारा भी फर्ज बनता है कि उनको श्रद्धाा के सुमन अर्पित करे। स्पीकर सर, हमारे दे ा मे पिछले दिनो बहुत भूकम्प आया था, उसमे हमारे बहुत से लोग, महिलांए और बच्चे हताहत हुए थे। अध्यक्ष महोदय, कुदरत की भाक्ति के आगे किसी

की नही चल सकती है। मानव धर्म है कि उन सभी की मदद की जाए। इसलिए हमारी कांग्रेस पार्टी के सभीं सदस्यो ने, सभी मंत्रियो ने और हमारी कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षता श्रीमती सोनिया गांधी जी ने उन लोगो के लिए सहायता भेजी है। अध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति चला गया है वह वापिस तो नही आ सकता है। हम उन मरने वालो के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते है। स्पीकर साहब, अभी पिछली रात मे और आज दोपहार को भी चण्डीगढ मे भूकम्प के हल्के हल्के झटके आए है। हम परमपिता से प्रार्थना करते है कि दोबारा से ऐसा प्राकृतिक प्रकोप न दिखाए

इसी तरह से दिल्ली मे बम विस्फोटक हुए और उसमे कई लोग मारे गए थे। यह काम इन्सानियत से जुडे हुए लोगो का नही है। वहां पर जिन निहत्थे लोगो का नही है। वहा पर जिन निहत्थे लोगो पर अत्याचार हुआ है हम उनके प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते है।

भाई धर्मबीर गाबा, हमारे विधायक, डिप्टी स्पीकर आजाद मोहम्मद और हमारे पुराने साथी सरदार हरपाल सिंह तथा धर्मबीर इन सबके साथ भी हादसे हुए है। मै इन सभी के परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी संवदेना व्यक्त करता हू। मै सदन का और मुख्यमंत्री जी का इसलिए भी आभारी हू कि इन भाोक प्रस्तावो मे मेरी माताओ और पत्नी का नाम भी जोड दिया गया है। मै इसके लिए उनका ह्रदय से आभार वयक्त करता हू और इन

भाब्दो के साथ इन दिवंगत आत्माओ को श्रद्धा के सुमन अर्पित करता हुआ अपना स्थान लेता हू। धन्यवाद।

परिवहन मंत्री श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि हमारे पुरान मंत्री श्री सीता राम जी सिंगला के लडके का नाम जोडने के लिए जो रामकुमार गौतम जी ने कहा है कि उनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावो मे जोडा दिया जाये। इसके अलावा भूतपूर्व विधायक डा0 एम0एल0 रंगा के पिता जी का नाम जिसके बारे मे श्री इन्दौर जी ने कहा है को भी इन भाोक प्रस्तावो मे जोड दिया जाये।

श्री अध्यक्षः ठीक है। Hon'ble Members, I associate myself with the feelings of sorrow at the said demise of great personalities who have left us during the intervening period of the last session and about whom references have been made in the House Shri K.K Narayana was the first Dalit President of India. Prior to joining politics, he was career diplomat. He was elected to the Parliament thrice and become Vice President in 1992 and adorned the highest office of the President in 1997. He served in the Cabinet of Later Shri Rajiv Gandhi. He had a distinguished carreer in Foreingn Services too. He emerged as one of the outstanding personalities of our country. Shri Shiv Ram Verma was a Minister of out State, who elected to the Vidhan Sabha thrice in 1967, 1972, and 1977. He was a seasoned legislator. He held various offices in various organizations of our State. Likewise, Ch. Joninder Singh was also Minister of our State. He was elected to the Vidahan Sabha thrice in 1968, 1972, and 1991. He was a good

wrestler. Shri Gopi Chand Gupta was a formet Member of Joint Punjab Legislaive Assembly. He was freedom Fighter, who took active part in the freedom struggle and was imprisoned. Honorary Capt. Umrao Singh was winner of Vectoria Cross. Who fouth in World War-II By his personal example and magnificent braver. He set a supreme example of gallantry and devotion to duty. For this act of gallantry. He was honoured with Victoria Cross. Besides, I also pay my homage to the Freedom Fighters and martyrs who left us. We can not forget their partriotic services. In addition, I pay my homage to the sufferers of devasting. Earth quake that sthock Assian Sub Contiment and also the sufferers of the Bomb Tragedy that took place in Delhi Just befor Divali and ID festival this year. I also pay me homage to other departed souls who have left us and about whom a mention has been made in the resolution. I will convey the deep sympahies of this house to the bereaved families. Now, I would request you to stand and observe silence for twom minutes as mark of respect to the memory of departed souls.

(At this statge the House stood in silence for two minutes as a mark of respect tot eh memory of the deceased.)

ताराकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान, अब सवाल होगे।

Meking an Amendment in the Indian Stamp (Haryana Amendment) Act, 2000

Shri Karan Singh Dalal @ Shri Ram Kumar Gautam: Will the Ministe for revenue to be pleased to state

whether there is any proposal under consideration of the Governemnt to bring a Legislation for amending the Indain Stamp Haryana Amendment Act, 2000 to add the words "Self Acquired" in addition to ancestral in section (a) of the said Act ?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): No Sir.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हू कि यह जो सवाल मैने दिया है ? यह जनहित से जुडा हुआ सवाल है। एक व्यवस्था हरियाणा प्रदे ा मे बनी हुई है कि इंडियन स्टैम्प एकट 1899 के रूल के तहत अगर कोइ बाप अपनी प्रोपर्टी, अपनी जायदाद अपने बेटी या अपने भाई को देना चाहता था तो दे दिया करता था और उसमे जो स्टांप ड्यूटी लगा करती थी उनसे छूटकारा मिला जाता था लेकिन पिछले दिनो हाई कोर्ट की किसी जजमेंट की वजह से या मुझे पता नही किस वजह से यह व्यवस्था बंद कर दी गई है। पिछली सरकार जाते जाते इसमे एक अमैडमैंट लाई, जिसे मै आपको पढकर सुनाना चाहता हू। वर्श 2000 मे जो अमैडमैंट लाई गई पढकर मै इसलिए सुनाना चाहता हू कि यह बहुत ही इम्पोटैंट है इसमे लिखा है:–

"If the release in made of ancestral property in favour of brogher or sister (Children of renouncer's parents) or son or daughter or father or mother or spouse or grand children or nephew or niece or co partener of renouncer.

उनके लिए पिछले सरकार ने व्यवस्था की कि ऐनसैस्ट्रल प्रोपर्टी को जो पुरखो की जायदाद है उसे 15 रूपये की स्टाम्प पर ट्रांसफर किया जा सकता है। इसमे मेरा सवाल यह था कि क्या सरकार इस इंडियन स्टांप एक्ट 1899 मे कोई नमो अमैडमैंट लेकर आएगी कि एनसैन्ट्रल प्रापर्टी के साथ सैल्फ ऐक्वायर्ड प्रोपर्टी को भी इसमे जोड दिया जाए। अगर कोई बाप जमीन खरीदता है या प्लाट खरीदता है तो उसको यह अधिकार होना चाहिए कि वह ऐनसैन्ट्रल प्रोपर्टी की तरह अपनी प्रोपर्टी अपने बेटे को दे, बेटी को दे, इससे झगडे खत्म होगे।

श्री अध्यक्षः धन्यवाद, दलाल साहब।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात सदन मे रखी है उसके बारे मे मै बताना चाहूंगा कि 2002 से पूर्व अंडर आर्टिकल 55 भौड्यूल 1 ए आफ इंडियन स्टाप एक्ट 1899 मे यह था कि एक्ट मे कोई रिलीज डीड जो थी वह किसी भी व्यक्ति को बजाय इसके कि केवल ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी के किसी व्यक्ति को या जो उनका को आंनर या को भोयरर हो जाया करता था, इस प्रकार से उसका दुरूपयोग किया जा रहा था। लोग केवल 15 रूपये के स्टांप पेपर या रिलीज डीड करवाते थे। जो कंविस डीड का प्रावधान था, उनसे बचने के लिए लोग केवल 15 रूपये के स्टाप पेपर रिलीज डीड करवाते थे। जिसेसे स्टेट एक्सचैकर को काफी नुकसान हो रहा था, उस चीज का प्लग करने के लिए यह जो प्रोविजन लाया गया है, यह सही

प्रोविजन है। मै समझता हू कि यह जो ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी का प्रवाधान रखा गया है वह इसलिये रखा गया है कि अगर सैल्फ ऐक्वायर्ड तरीके से करने लगगे तो इसका बडा भारी दुरूपयोग होगा और कोई भी व्यक्ति या प्रोपर्टी डीलर्स भी इस तरीके से दुरूपयोग कर सकता है। इसलिये मै समझता हू कि सैल्फ एक्वायर्ड प्रोपर्टी को इससे दूर ही रखा जाये नही तो जो पोता है उसके लिए भी यह प्रापर्टी ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी हो जाएगी। After some time it will also become ancestra property. मेरा कहना यह कि इसमे कोई दिक्कत वाली बात नही है, सैल्फ ऐक्वायर्ड वाली बात नही है।

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, यह जो रिलीज डीड थे, वे मोटे तौर पर इस अमैडमैंट के बाद लगभग खत्म हो गए, फर्ज करो कि एक बाप की डैथ हो गई तो उसकी बहन भाई है और बहर ने आकर ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी थी उसकी रिलीज डीड करवा ली। उसके बाद फर्ज करो बहन ने भाई को वह प्रापर्टी देन है या ऐक्सचेंज करनी है या प्रापर्टी बाप ने बेटी को देनी है या फिर वे कहते है कि इसमे तो कोई डिक्री हो चुकी है कोर्ट बीच मे आ चुकी है इसलिए ऐक्सैन्ट्रल तो खत्म हो चुकी है। बहन ने भाई के नाम जमीन करनी है तो यह कहते है कि कुछ भी नही रहा यह तो निरा फ्रांड हो गयाहै। रिलीफ डीड मोटे तौर पर समाप्त हो चुकी है। ऐक्सैन्ट्रल जो वर्ड है एक भाई को दूसरे भाई के नाम प्रापर्टी करवानी है और यह भी उस जमीन की रजिस्टरी कराये तो

इससे ज्यादा जुल्म की बात और कोई नही हो सकती। मै तो यह कहता हू कि वर्श 2000 मे इस एक्ट मे जो एमेंडमैंट की गई है मेरे ख्याल से यह चौटाला साहब की रिलीज मे हुआ होगा इस प्रकार की गडबड की के काम वे ही कर सकते है इसको आप ठीक कराये। मैने अपने भाई को कहा कि 4 कनाल जमीन मेरे नाम करवा दे। ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी के बारे मे तहसीलदार कहता है कि यह मै नही कर सकता। (विघ्न)

Mr. Speaker: The Hon'ble Minister has understood your question. Donnot put the Story. आप अपना सवाल पूछिये कहानी मत बनाइये। गोतम जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाये।

श्री राम कुमार गौतमः सर, मै अपना सवाल ही कर रहा हू।

श्री अध्यक्षः गौतम जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी पर कोई रोक नही है। अगर कोई उस जमीन की डिक्री करा लेता है तो उसके बाद ही उस जमीन को किसी के नाम करने मे दिक्कत आती है लेकिन ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी पर कोई रोक नही है। वह जमीन रिलीड डीड हो जाता है जैसा माननीय सदस्य ने कहा है इस प्रकार की कोई बात नही है और न ही इस प्रकार की कोई ि ाकायत मेरे पास आई है।

श्री राम कुमार गौतमः सर, ...

श्री अध्यक्षः गौतम जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाये।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को फिर से याद दिलाना चाहता हू कि पिछली सरकार जब इस बिल को लेकर आई थी और उस समय पर जब यह एक्ट बनाया गया था तब भी उस समय के मंत्री जी को मैने कहा था कि हमे इस बारेमे कोई एतराज नही है लेकिन स्टेट का रेवेन्यू कम नही होना चाहिए लेकिन ऐसा नही हो रहा है। जब कोई आदमी अपने जीवन काल मे जमीन खरीदता है तो उसको कहा जाता है कि उसको दूसरे के नाम नही किया जा सकता, उसकी मृत्यु के बाद दूसरे व्यक्ति के नाम की जाएगी। इसलिए मै कहना चाहूंता हू कि ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी के लिए भी ऐसा प्रोविजन होना चाहिये कि उस आदमी के जीत जी ही वह जमीन दूसरे के नाम की जायेगी। इससे कोई रेवेन्यू कम नही होता। पिछली सरकार के समय जब यह एक्ट बना उसकी कापी मेरे पास है। उस समय भी मैने उस समय के रैवेन्यू मंत्री चौधरी धीरपाल जी को कहा था उस समय जो ये बिल लेकर आये थे उसके आब्जैक्ट्स एण्ड रिजन्स मे यह लिखा हुआ था कि " It has been observed that the existing provision under Article 55 of Schedule IA of the Indian Stame Act, 1899 regarding "Release Deed" is being misused by Co owners. Co-Shares etc. for renouncting their interest, share prt or claim in favour of another co-owner." सरकार से मेरा केवल एक निवेदन है कि सैंल्फ ऐक्वायर्ड प्रापर्टी के लिए इस बिल मे एक अमेडमैंट कर देनी चाहिए।

Mr. Speaker: Thank You. ठीक है |The Minister has understood the question.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, उसमे कोई रेवेन्यू का नुकसान न हो लेकिन एक बाप अपने बेटे को प्रापर्टी दे सकता है।

श्री अध्यक्षः दलाल जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जो कह रहे है उसको हम एग्जामिन करा लेगे और उसके बाद कोई कार्यवाही कर ली जाएगी लेकिन इस बारे मे मै कुछ नही कह सकता।

चौ0 धर्मपाल सिंह मलिकः माननीय अध्यक्ष महोदय, सवाल बहुत ही सिम्पल था लेकिन माननीय मंत्री जी ने उसको कम्पलीकेट कर दिया। सैल्फ ऐक्वायर्ड को रिफाईन किया जा सकता है सैल्फ ऐक्वायर्ड प्रापर्टी ऐनसैस्टरल के अन्दर इन्कलूड की जा सकती है। ऐनसैस्टरल प्रांपर्टी की इनकम से अगर कोई सैल्फ ऐक्वायर्ड प्रांपर्टी खरीदी गई है तो उसको उसमे भाामिल किया जा सकता है। It should be considered as ancestral property. मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या ये ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी खरीदी है तो उसके ऐक्सैन्ट्रल प्रोपर्टी मानेगे या नही।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो विचार रखे है उनको सरकार एग्जामिन करा लेगी और उसको बाद यथोचित फैसला कर लिया जाएगा।

Setting up of Sub Station in Gohana Tehsil

125. Shri Dharampal Singh Malik: Will the Chief Minister be please to be state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up more 33/66 KV Sub Stations in Gohana Tehsil ot provide regular supply of electricity, if so, the details thereof?

Revenue Minister (Capt Ajay Singh Yadav): The proposal to set up a new 132 Sub statin at village Mindiana. 33 KV sub stations at village. Bali Brahman and Khanpur Khurd in Gohana Tehsil are being examined for technical viabilitry.

चौ0 धर्मपाल सिंह मलिक: माननीय अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा मे जो वायरिंग हुई है वह तकरीबन 35–40 साल पहले की हुई है और उसकी वजह से बहुत से लाईन लोसिज है और इसी कारण बहुत सी दुर्घटनाएं भी होती है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि जो 700 करोड रूपये की राजीव गांधी रूरल इलैक्ट्रीफिके ान की योजना है, उसमे क्या इन पुरानी तारो को रिप्लेस करने के बारे मे सरकार कोई विचार कर रही है क्योंकि हर गांव मे इस प्रकार की ि ाकायते है कि पुराने तारे टूट जाती है और दुर्घटनांए होती है, क्या इस किस्म का कोई विचापर है कि सार इन्फ्रास्ट्रक्चर की

रिमांडलिंग की जाए। जो बहुत पुराने कंडैक्टर्ज है उनको रिप्लेस करने के बारे मे सरकार सोच रही है ताकि लाइन लोसिज कम हो और ट्रिपिंग जो होती है वह भी कम हो सके।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात रखी है मै इनको बताना चाहूंगा कि राजीव गांधी रूरल इलैक्ट्रिीफिके ान था और यह योजना उस स्टेट्स के लिए थी जहां इलैक्ट्रीसिटी पहुची थी, लेकिन हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री और बोर्ड के सदस्यो ने सैंटर मे बातचीत करके हरियाणा को इस परियोजना मे भाामिल करवाया, बहुत कोि ा ा करके 700 करोड रूपये इस योजना के तहत हरियाणा के लिए मंजूर करवाये गए है। जो यहां पुरानी तारो की बात कही गई हे, तो जिन जिन गांवो मे पुरानी तारे है और इस प्रकार के कोई डिफैक्ट है उन गांवो को इस योजना मे कवर किया गया है।

प्रो0 छतर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, विलैजिज के अन्दर जी पेालस है और तार कंडक्टर्ज लगे हए है वे बहुत नीचे है, मकानो की दीवारो के साथ सटे हुए है या बहुत से पोल किसी ने किसी मकान के अन्दर या किसी प्लाट के अन्दर खडे है। लोग डिपार्टमैंट को इन तारो को हटाने के लिए गुजारि ा करते है तो वे बहुत लम्बा चौडा बिल बनाकर दे देते है जिसको पे करना गरीब की हैसियत से बाहर है। राजीव गांधी ग्रामीण विधुतीकरण परियोजना के तहत जो 700 करोड रूपये आने है क्या उनमे उन गरीब किसानो को इस किस्म के खतरे से बचाने के लिए

इलैक्ट्रीफिके ान को ठीक करने के लिए प्रावधान किया जा रहा है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जिन लोगो के प्लाट्स लाल डोरे के बाहर है और उनका इलैक्ट्रीफिके ान पहले ही हो चुका है, लोगो ने वहां प्लाट्स ले लिए और वहां मकान बना लेते है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि अगर वहा कोई बिजली की ि ाफ्टिंग करनी है तो ओनर्ज को ही पे करना पडता है और जहां लाल डोरे मे कोई मकान होते है और वहां तारो की इस प्रकर की कोई दिक्कत होती है तो उस स्थिति मे बोर्ड अपने लैवल पर उसको ठीक करवाता है। अध्यक्ष महोदय, जहां भी कही इस प्रकार की दिक्कते है वहा राजीव गांधी विधुतीकरण परियोजना के तहत सुधार करवा रहे है और जहां पोल नीचे है उनको भी ठीक करने की बात की जा रही है।

श्रीमती अनीत यादवः अध्यक्ष महोदय, मैने पिछली सरकार मे भी कहा था और आज भी एक बात कर रही हू कि गांवो के अन्दर जो लोहे के खम्भे है, गांवो मे कई जगह तो घरो के अन्दर भी खम्भे है इन खम्भो को हटाने बारे प्रबन्ध किया जाए। पीछे सै ान मे एक प्र ान के जवाब मे कहा गया था एक पोल का 7000 रूपये का रेट था और हमारी सरकार ने 3500 रूपये पर पोल करने का प्रावधान किया था। लेकिन अभी भी रिवाडी मे इस पोलिसी का प्रावधान नही किया गया कि 3500 रूपये पर पोल के हिसाब से खम्भा मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मै

आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि हमारे रिवाडी जिले मे इस पोलिसी को कब तक लागू कर दिया जायेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जंहा तक खम्भो के रेट की बात है तो बोर्ड ने ये रेट पहले ही फिक्स कर रखे है। जहां तक माननीय सदस्यो ने लोहे के खम्भो के बारे मे कहा है तो उनको चेंज कर रहे है क्योंकि कई गांवो मे इस प्रकार की ि ाकायते है। जहां भी इस प्रकार की ि ाकायते है वहा हम इन लोहे के खम्भो को चेंज कर रहे है।

डा0 सीता रामः माननीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम ये मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि वर्श 2004–05 के अन्दर कितने सब स्टे ान नये कमी ान किए है और कितने सब स्टे ान्ज की आंगमैटै ान की गई है ?

Mr. Speaker: This is not possible to reply. (Interruptions) It is not relevant supplementary. Please take you seat. (Interruptions) पूरे सूबे के बारे मे आफ हैण्ड एक मंत्री क्या कह सकता है। (विघ्न) It is not relevant supplementary. Please take you seat.

चौ0 धर्मपाल सिंह मलिकः माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद बिजली के सिस्टम मे पहले से इम्प्रूवमैंट हुई है लेकिन इसके साथ ही कुछ प्राकृतिक चीजे है जिनके कारण बिजली के उत्पादन प्रभावित होता है और सिस्टम पर असर पडता है। (विघ्न) हमारी सरकार की मन ाा खराब नही

है जबकि इनकी सरकार की मन ाा मे खराबी थी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर इस प्रकार से ये बीच मे टोकाटोकी करेगे तो मुझे इनकी बात का जवाब भी देना पडेगा इसलिए मेरा निवेदन है कि आप इनको डिसिप्लिन मे लाए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इस प्रकार बीच मे टोकाटाकी न करे। (विघ्न) मलिक साहब आप अपना सप्लीमैटरी पूछे इनकी बात पर कोई ध्यान न दे।

चौ0 धर्मपाल सिंह मलिकः माननीय अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू कि हमारे यहां पर लो वाल्टेज की बडी भारी समस्या रहती है। यह सवाल गोहाना तहसील से सम्बन्धित है और मै इसको स्टैटवाईज नही ले जाना चाहता मै सिर्फ गोहना तहसील की ही बात, करूंगा। स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जाना चाहता हू कि क्या इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार किसी प्रकार का कोई प्रावधान कर रही है या इस बारे मे कोई विचार कर रही है?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, सोनीपत जिले के मुण्डालाना मे 132 के0वी0 का एक सब स्टे ान 9–10 करोड रूपये की लागत से हम बनाने वाले है। मार्च 2006 मे इस सब स्टे ान का निर्माण कार्य भाुरू हो जाएगा और 18 महीने से इस प्रोजैक्ट के पूरा होने की सम्भावना है। इसी प्रकार से ढाणी ब्रहामण मे तथा गोहना तहसील मे खानपुर खुर्द मे 33 के0वी0 का

नया सब स्टे ान लगाने पर सरकार विचार कर रही है और हम इसकी वांयब्लिटी चैक कर रहे है। इसको बचाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और इस बनाने मे तीन महीने का समय लगेगा। फिरोजपुर नंगल मे 132 के0वी0 का सब स्टे ान है सरदाना कंला मे 33 के0वी0 खानपुर कलां मे और कण्डली मे सब स्टे ान आगुमैंट होगे जिसमे सवा तीन करोड रूपये लगेगे। करसाना मे सब स्टे ान वर्श 2008 मे कमी ान हो जाएगे। अध्यक्ष महोदय, गोहना तहसील तथा जिला सोनीपत के बारे मे मैने माननीय सदस्य तथा सदन की जानकारी दे दी है।

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय, राजीव गांधी योजना के तहत ढाणिया मे बिजली के कनैक ान देने का प्रावधान है और यह योजना राज्य मे चलाई जा रही है मंत्री जी ने तो कहा है कि लाल डोरे से बाहर जो एरियाज है उनमे कनैक ान्ज नही दे रहे है अध्यक्ष महोदय, पिछले 15–20 साल से लाल डोरा नही बढा है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय जी से यह जानना चाहता हू कि लाल डोरे से थोडा बाहर जो ढाणिया है क्या उनमे भी बिजली के कनैक ान देने का प्रावधान करेगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह मामला पंचायत तथा रेवेन्यू डिपार्टमैट्स से सम्बन्धित है लेकिन इसको भी हम देखेगे। पिछले दिनो काफी मैम्बर्ज इसमे कसंर्ड रहे तथा माननीय मुख्यमंत्री महोदय से भी मिले है और माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी यह कहा

है कि लाल डोरे को एक्सटैड किया जाए। ऐसी ढाणिंया के बारे मे जहां पर ज्यादा क्लसटर्ज है इसके बारे मे मुझे कन्फर्म नही है माननीय सदस्य बाद मे मुझ से मिलकर पता कर ले कि वे इसमे इन्कलूडिड है या नही।

15.00 बजे

श्री अनिल ठक्करः स्पीकर साहब, मै मंत्री से जानना चाहूंगा कि सोनीपत जिले गोहाना तहसील को ही फायदा होगा या इसके आसपास के गांवो को भी उस सब स्टे ान से फायदा पहुचेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इस 132 के0वी0 सब स्टे ान मे केवल गोहरान तहसील की बात नही, बल्कि इससे काफी एरिया को फायदा पहुचेगा।

चौ0 अर्जन सिंहः अध्यक्ष महोदय, सभी साथी लाल डोरे की बात कर रहे है। हमने भी इसके लिए बहुत दरख्वासते दे द है हम बहुत परे ाान हो चुके है लेकिन उसके बारे मे कुछ नही किया गया है। मंत्री जी ने कहा था कि लाल डोरे के जिन मकानो के ऊपर से बिजली की तारे गुजर रही है, उन सभी तारो को हटा देगे, लेकिन आज तक एक भी तार वहां से नही हटी है। इसके अलावा लाल डोरे से बाहर के मकानो के उपर से तारो को हटाने मे इतना खर्च हो जाता है कि उससे अच्छा तो वह वहां पर से अपना मकान हटाने मे ही भलाई समझता है। लेकिन उसकी

मजबूरी यह है कि वह अपना मकान उठाकर कहा पर ले जाए। स्पीकर साहब, मेरे हल्के मे बलाचौर गांव है। वहां पर एक लकडी के खम्बे पर तार लगी हुई थी और वह लाईन बहुत बडी है। स्पीकर साहब, यह लाइन आगे बंद पडी है।

श्री अध्यक्षः अर्जन सिंह, तारो के नीचे मकान बनाये जाते है न कि बाद मे मकानो के ऊपर से तारे लगाई जाती है जहां पर खाली जगह होती है वही पर ही तारे लगाई जाती है। प्लीज आप अपनी सीट पर बैठे। नैक्स्ट क्वै चन प्लीज।

Waiving of the amount of outstanding Electricity Bills

129. Dr. Surshil Indora: Will the Chief Minister be please to be state-

(a) the toatal amount or outstanding electricity bills of domestice and agricultural consumers in rural areas of the State have been waived off since the announcement of the waiving of outstanding arrears of electricity bill to date.

(b) the number of consumers benefited from the scheme referred to in part "a" above.

(C) the total amount of outstanding electricity bills is still pending against the defaulting consumers as referred to in part 'a' above; and

(d) the details of the amout of arrears of electricity bills eleared as a result of surcharge waiver schem, disconnecting defaultes and drive for recovery of arrears of electricity bills form July 1999 to 31st March, 2005 ?

Revenu Minister (Capt Ajay Singh Yadav):

(a) On the basis of the number of persons who have opted till date for the waiver scheme an outstanding amount Rs. 1055 Crores is eligible to be waived off under the Pending Settement Scheme of Arrears for Rural Areas, subject or regular payment of current bills for 20 months from 17-6-2005 on wards.

(b) Eight Lac Seventy Four Thousand two hundred Nineteen consumers have opted for the Scheme.

(c) Five Lac Thrity One Thousand Six Hundred Twenty Eight consumers having arrears of Rs. 722.06 Crores have yet to opt for the scheme, which stands extended till 31-01-2006.

(d) Under different waiver schemes during the period from July, 1999 to March, 2005 about Rs. 556 Crores of arrears of electricity bills were settled. On this amount of Rs. 269 Crores was waived off and Rs. 287 Crore revovered.

डा0 सु शील इन्दैराः अध्यक्ष महोदय, मेरे पास, जो जवाब आया है उसमे मुख्यमंत्री जी ने जवाब दिया है और यहां पर मंत्री जी उसका जवाब दे रहे है। जब 1600 करोड की माफी की योजना लागू की गई तब भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस सदन मे ये भार्ते लगाई थी कि यह भार्ते होगी, तो यह माफी होगी, अध्यक्ष महोदय, इनका जो आज का जवाब है अगर उसको पढे तो उसमे भी आपको ऐसा ही कुछ मिलेगा। माननीय मुख्यमंत्री जी कृप्या इस बारे मे ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, इस सवाल को मै

पढता हू ''अब तक छूट योजना को अपनाने वाले व्यक्तियों की संख्या के आधार पर 1055 करोड रूपये की बकाया धनरा ि ा ग्रामीण क्षेत्रो के लिए बकायो की लम्बित निपटाना योजना के अन्तर्गत छूट के लिए पात्र है।'' अध्यक्ष महोदय, मैने स्पश्ट तौर पर पूछा है कि राज्य मे ग्रामीण येाजनाओ पर कितना रूपया अब तक माफी योजना के तहत वेवआफ किया गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है इसलिए मै इस बारे मे थोडस सा विस्तार से पूछना चाहता हू। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, आप कहानी न गऐ। Please put the supplementary.

डा0 सु ाील इन्दैराः अध्यक्ष महोदय, मै कहानी नही गढ रहा हू, आप मेी बात को पूरी हो जाने दे। इसी तरह से आप प्र ान ''घ'' मे देखे तो सरकार की तरफ से इसका स्पश्ट जवाब नही है। 'घ' पार्ट वालो के कनैक ान काटना तथा बिजली बिलो के बकायो की वसूली के लिए अभियान के परणिामस्वरूप बिजली बिलो के बकायो को भुगतान की गई रा ि ा का ब्यौरा क्या है? इस बारे मे सरकार की तरफ से जवाब आया है लगभग 556 करोड रूपये।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा साहब, आप सवाल पूछ रहे हो यहा बहस कर रहे हो।

डा0 सु ाीला इन्दौराः सर, मै सवाल पूछ रहा हू।

श्री अध्यक्षः यह पब्लिक स्टेज नही है आप अपना प्र ान पूछे।

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि आप वस्तुस्थिति बतांए कि आज तक कितना रूपया वेवआफ किया गया है, इससे कितने लोगो को फायदा पहुचा है, कितने घरेलू लोगो ने इसका फायदा उठाया है और कितनो मे कृशि क्षेत्र मे इसका फायदा उठाया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, प्लीज आप बैठ जाए।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, यह जो श्रीमान वहां पर बैठे हुए है इनकी सरकार ने लोगो से गलत वायदे थे कि हम आपके बिजली के बिल माफ कर देगे और इनकी वजह से आज किसान कर्जे मे दब गया था। माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता मे इस सरकार ने किसानों के लिए यह बडा ऐतिहासिक कदम उठाया है और लोगो के बिलो का बहुत बडा अमाउंट माफ किया है। अध्यक्ष महोदय, इन लोगो के बहकावे मे आकर लोगो पर बहुत भारी कर्जा चढ गया था। (विघ्न) इन्होने पूछा कि टोटल कितने डिफाल्टर्ज है। मै इनको बतना चाहूंगा कि जो टोटल डिफाल्टर्ज थे वह 14.5 लाख थे जिसमे से एग्रीकल्चर सैक्टर के डिफाल्टर्ज 2.58 लाख थे। इस स्कीम के तहत जिन्होने ओप्ट किया वह 2.14 लाख थे यानी 83 परसेंट फार्मर्ज ने ओप्ट किया

है। इन लोगो की सरकार ने तो सिर्फ संरचार्ज माफ किया था लेकिन हमारी सरकार ने पूरे का पूरा लोन माफ कर दिया है। आपकी तरह से नही कि इतने पैसे ले लिए और तब वेव आफ किया। हमारी तो सीधी बात है कि आप बीस करन्ट बिल पे करो और एक बिल के साथ पांच परसेंट माफ हो जाएगा। मै इनको बताना चाहूंगा कि डोमैस्टिक सैक्टर के अन्दर इन लोगो की मेहरबानी की वजह से 11.47 लाख डिफाल्टर्ज थे जिसमे 6.60 लाख लोगो ने ओप्ट किया है यानी 57.54 परसेंट लोगो ने ओप्ट किया है इन्होने जो टोटल डिफाल्ट अमाउंट के बारे मे पूछा है कि वह कितना था तो मै इनको बताना चाहूंगा कि यह इन डा आर्डर आफ 1660.52 करोड रूपये था। बाद मे यह इंक्रीज करके 1777 करोड रूपये हो गया। हमारी सरकार ने प्रिंसपल अमाउंट 1244 करोड रूपये और 533 लाख रूपये जो सरचार्ज के तौर पर किसानो पर था, उसको माफ किया है। जो टोटल कंज्यूमरर्ज है उनके बारे मे हमने 6 तारीख को कहा था कि बीस महीने तक जो मंथली पेमेंट करेगे उनका 5 प्रति ात of the defaulting amount will be totally waived off. इस तरह से हम बिल नही ले रहे है हम कंरट बिल ले रहे है। 1777 करोड रूपये इस सरकार ने माफ किया है। (विघ्न) 1777 करोड रूपये हमने माफ किया है। इनके समय मे कितना माफ हुआ था वह भी मै आपको बता देता हू।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप इस समय की बात बताए उनके समय का तो सबको पता है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो इनका आखिरी क्वै ाचन था उसके बारे मे मै बताना चाहूंगा कि जो इन्होने टोटल अमाउंट रिकवर किया है वह 2.87 करोड रूपये था जबकि 268 करोड रूपये वेव आफ किया गया है। इन्होने केवल सरचार्ज ही माफ किया और हम पूरे का पूरा कर्जा माफ कर रहे है। यही फर्क है इनमे और हममे। (विघ्न)

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब, आप मेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी आप बैठिए।

प्रो0 छतर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मै धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपकी सरकार का, जिसने गरीबो की आव यकता को दिमाग मे रखते हुए बिना किसी वायदे के यह काम किया। हमारी पार्टी की सरकार आने से पहले हमने इस बारे मे कोई वायदा नही किया था। लेनिक उसके बाद हमारे मुख्यमंत्री जी ने किसानो को रिलीफ दिया और आज प्रदे ा के किसान पुरी भााति के साथ अपनी सरकार को इस रिलीफ को भोग रहा है। मै इसी से संबधित सवाल पर आता हू। इंदौरा साहब का इससे सबधित सवाल पूछने का अधिकार नही था क्योंकि इनकी पार्टी का मसला तो बिजली का बहुत खराब था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर सवाल इनका है तो इनका ही नाम लूंगा। मै चौटाला साहब का नाम कैसे लूंगा वे तो यहां पर है नही तो इन्ही का नाम लूंगा।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, सभा के मुझे जलील किया जा रहा है। He has no right to say like out. This is not the way, मेरा सवराल पूछने का अधिकार है।

श्री अध्यक्षः इंदौरा साहब, आपका सवाल पूछने का अधिकार है। No body can do it. मै दोनेा तरफ के सदस्यो से कहता हू ि कवे बैठ जांए। Indora Ji please take your seat (interruptions) Prof. Samt Singh. This is not the way, I also request you that please take your seat. (Interruptions) Indora Ji, Please take your sent. (Interruptions)

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): इंदौरा साहब, आपकी कही बात को मै रखा रहा हू।

श्री अध्यक्षः इंदौरा साहब, कृपा करके आप बैठ जांए।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मै सदन को मर्यादा का पूरा ध्यान रखता हू।

श्री अध्यक्षः धन्यवाद इन्दौरा साहब।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः माननीय सदस्य श्री छतरपाल सिंह जी की भावना यह थी कि सवाल इन्दौरा साहब का है, इनकी भाान मे, इनकी अदब मे छतरपाल सिंह जो ने कोई ऐसा लफज नही बोला है जो इनकी भाान के खिलाफ हो। (ाोर एवम व्यवधान) मै इन साथियो को बताना चाहूंगा कि पूरे आराम से रहे। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा इस सदन के नेता है। कांग्रेस

पार्टी की सरकार प्रान्त मे है, जलील करने वाली सरकार चली गई, वह व्यक्ति अब सदन मे भी नही है।

श्री अध्यक्षः छतर पाल जी, आप सवाल पूछिए।

प्रो0 छतर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै सवाल पूछ रहा हू। सरकार ने किसानो के हक मे बहुत से फैसले किए है। एक तो मैने जो गरीब किसानो के बारे मे सवाल किया था उस बारे मै आ वासन चाहता हू कि देहात के अंदर जो बिजली की दिक्कत है, खंभे, तार, पोल ि ापिटंग की जो दिक्कत है इस योजना के तहत यह पैसा उसमे डालकर क्या आप गरीबो को रिलीफ दे सकते है। इसमे संबधित मेरा दूसरा सवाल यह है कि बिजली विभाग ने अच्छी मुहिम चला रखी है उसमे बिजली चोरी के कलाप्रिट पकडे भी जा रहे है लेकिन साथ ही साथ कई बार ऐसे केसिज नोटिस मे आते है जहां पर थैफ्ट जस्टीफाइड नही है और उसमे पैनल्टीज लगा दी जाती है। क्या सरकार और मंत्री महोदय इस बात का कोइ आ वासन देगेग कि गरीब आदमी को बिना पैनल्टी का पैसा जमा कराए इस तरह के केसिज की इंक्वायरी करवा कर पैसा जमा करायेगे, क्योंकि गरीब आदमी इतना पैसा पैनल्टी का भरने की स्थिति मे नही होता इसलिए थैफ्ट के केस की पूरी जांच करके ही पैनल्टी डाली जाए। या पैनल्टी डल जाती है तो उसमे बिना पैसा जमा कराए कोई अपील दलील सुनी जाए, इस तरह का कोई प्रावधान सरकार करेगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः जहा तक सवाल थैफ्ट का है, थैफ्ट के मामले मे हमने कोई प्रोत्साहन नही देनी है अगर कोई गरीब आदमी है तो उसको बाकायदा मीटर लगना चाहिए। जहां तक थैफ्ट का सवाल है उसमे कोई रियासत देने की बात नही है।

श्री भुपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे कई साथियो ने चर्चा की है। भाई छतर पाल जी को मै बताना चाहूंगा कि राजीव गांधी विधुतीकरण की जो योजना है उसके अंतगर्त बायफरेके ान आफ फीडर्स हम कर रहे है। उसके तहत रूरल, ऐग्रीकल्चर और इण्डस्ट्रीज के अलग अलग फीडर्स होगे, उससे ही इस समस्या का समाधान हो जाएगा। उसके अंतगर्त कुदरती बात है कि फीडर्स अलग अलग कर रहे है तो पुरानी तारे भी बदली जाएगी जहां तक थैफट का सवाल है जैसे इस बारे मे मंत्री जी कहा है, थैफ्ट को हमने कोई प्रोत्साहन नही देना है। बिजली की कंपनियां बनी हुई है और उनके बाकायदा अपने कायदे कानून है। सबको यह अधिकार है कि अगर कोई गलत थैफ्ट का केस बनता है उसको सब की प्लीज करने का अधिकार है।

Setting up of work shop for repairing of Electionic Transfrmers

130. Shri Naresh Yadav: Will the Chief Minister be please to state whaether there is any proposed under consideration of the Governement to set up a workshop for the repair of electionic transformers at Ateli or Narnaul of district Mahendergarh.?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): No Sir

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी के सीधे सीधे नो मे जवाब दिया है। मै सदन से जानना चाहता हू कि जितना महेन्द्रगढ मे खासतौर से नारनौल व अटेली के अंदर सबसे ज्यादा ट्रासफार्मर जलते है और वहां नहर का पानी बहुत ही मात्रा मे आता है। ट्रासफार्मर को ठीक कराने के लिए हिसार जाना पडता है और दो दो महीने तक ट्रासफार्मर वापस नही आते है। मै मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूगा कि क्या इस समस्या का कोई इलाज कर रहे है जिससे कि ये ट्रासफार्मर जले ही नही। यदि पावर कैपेसिटी बढा दी जाए और सब स्टे ानो की ताकत बढा दी जाए तो इस समस्या का हल हो सकता है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन ने जो बात रखी है यह ठीक है कि एक वहां पर ट्रासफार्मरज की रिपेयर वर्कसोप थी जो कि 30.6.1999 को बंद कर दी गई थी। लेकिन बात यह है कि जो इस प्रकार की वर्क ाप की बात की है। वह वर्क ाप पहले थी। अब सरका जो भी रिपेयर का काम दे रही है वह प्राईवेट फार्मस को दे रही है। इसका कारण यह था कि पहले नानौल मे वर्क ाप थी उसमे जो ट्रासफार्मरज रिपेयर होते थे वह अच्छी तरह से रिपेयर नही होते थे। वे इधर उधर से पार्टस लेकर असैम्बल कर दिया करते और उन ट्रासफार्मर की पररफोरमैंस अच्छी नही थी और उन पर खर्चा ज्यादा होता था

इसलिये सरकार ने यह काम प्राईवेट फर्मज को देने का फैसला किया। अब जो भी ट्रासफार्मरज पर बोर्ड का काफी खर्च होता है क्योंकि पूरा इन्फ्रास्ट्रैचर बनाना पडता है। इसलिए इस काम को कान्ट्रेक्ट पर देनपे का सरकार ने फैसला किया है। नानौल से हमे कोई भेदभाव नही है इसलिए माननीय सदस्य को इस बारे मे कोई ऐसी बात नही सोचनी चाहिए। हम भी उसी इलाके के है इसलिए माननीय सदस्य की इस प्रकार की कन्सर्न होने की बात नही है।

मेजर नृपेन्द्र सिंह सांगवानः स्पीकर साहब, जो ट्रासफार्मरज की रिपेयर की बात की जा रही है पिछली सरकार के समय मै कई दिनों तक यह देखता रहा है कि मेरे हल्के दादरी मे जो भी ट्रासफार्मर लगता बाद मे था खराब यह पहले हो जाता थ। उसको दोबारा से यह कहकर लगाया जाता था कि इसको ठीक कर दिया है लेकिन उसको ठीक नही किया जाता था वैसे का वैसा ही दोबारा से लगा दिया जाता था बाद मे पता चलता था कि उस ट्रासफार्मर को रिपेयर ही नही किया गया। मै सरकार से निवेदन करना चाहता हू कि इस प्रकार कि रिपेयर के लिए वारन्टी देने का प्रावधान सरकार को करना चाहिए क्योंकि यह पब्लिक का पैसा है जो जाया होता जा रहा है। दूसरे, मेरे हल्के मे एक समस्या यह भी है कि जो इलैक्ट्रोनिक्स मीटर लगाए गए है उनमे और ज्यादा गडबड चल रही है। बिजली मकहमे वाले कन्जूमरर्स को बता देते है कि आपका मीटर खराब हो गया है नया खरीदना पडेगा इस प्रकार कंज्यमरर्स को हर बार नया मीटर

खरीदना पड रहा है जो एक आम आदमी की हैसियत से बाहर है उसके लिए सरकार को ध्यान देना चाहिए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आज जो ट्रासफार्मर खराब हो रहे है उसका मुख्य कारण लोड फैक्टर का है आप जानते है कि किसान जब ट्यूबवैल के लिए कनैक ान लेता है तो उसमे लोड फैक्टर 5 हार्स पावर का दिखता है और उसके बाद 10 हार्स पावर की मोटर लगा लेता है इसलिए उस ट्रासफार्मर पर ओवर लोड हो जाता है और वह ट्रासफार्मर जल जाता है अगर वह पहले ही अपना लोड फैक्टर सही द ार्ाये तो हम जहां 63 के0वी0 का ट्रासफार्मर लगाते है वहां 100 के0वी0 का ट्रासफार्मर लगा सकते है और वह ट्रासफार्मर फिर इतनी जल्दी जल भी नही सकेगा। अब जो नये ट्रासफार्मरस खरीद जा रहे है उनमे ऐसा सिस्टम लगा रहे है कि अगर ओवरलोडिंग होगी तो वह ट्रासफार्मरज ट्रिप कर जाएगे और जलेगे नही।

राव दान सिंहः अध्यक्ष महादेय, मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि पहले ट्रासफार्मर रिपेयर की वर्क ााप महेन्द्रगढ मे स्थित थी लेकिन पिछली सरकार ने पता नही किन कारणो से उसे नारनौल ि ाफ्ट कर दिया गया है। महेन्द्रगढ के गांव के किसानो को ट्रासफार्मर की अलोके ान करके एक कागज थमा दिया जाता है और उनको कह दिया जाता है कि आपको ट्रासफार्मरज नारनौल से मिलेगा इस प्रकार किसानो को ट्रासफार्मर नारनौल से उठाना पडता है और उसके लाने का खर्चा भी खुद

वहन करना पडता है और वहां पर 2,3 और 4 दिनो तक बैठे रहना पडता है जिससे किसानो का पैसा ज्यादा खर्च होता है और उनको काम मे हानि होती है क्योंकि फसल का सीजन होता है क्या मंत्री जो उस वर्क ाप को दोबारा से महेन्द्रगढ मे स्थापित करने का काम करेगे, क्योंकि वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर और जगह उपलब्ध है इसलिए क्या सरकार उस वर्क ाप को दुबारा महेन्द्रगढ मे स्थापित करने का काम करेगी?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, नानौल मे मकहमे का एस0ई0 बैठता है और उनको देख रेख मे ही यह सब काम होता हैं जब एक्सियन उसको डिमाण्ड भेजता है तो वह ट्रासफार्मर को रिपेयर करवाता है और एस0ई0 ही ट्रासफार्मरज की डिस्ट्रीब्यू ान का काम करता है और किसान के खेत मे सरकारी खर्चे से ही ट्रासफार्मर लगया जाता है । इसमे किसानो का कोई पैसा नही लगता।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, यह स्कीम बहुत अच्छी है कि प्राइवेट इन्टरप्रिन्योर्ज को यह सरकार बढावा दे रही है लेकिन सरकार की जितनी भी ऐस्टिब्लि ामेंट है उनमे काफी गडगड चल रही है। मै अपने इलको के बारे मे बताना चाहूंग। पैड्डी का बडा भारी सीजन था और प्राईवेट लोगो ने भी गांव के लोग से रि वत के तौर पर तारेा की अदला बदली करने के लिए कि तेरा पहले कर देगे उसका बाद मे कर देगे किसानो से पैसे लिए। मै सरकार के नोटिस मे यह बात इसलिए ला रहा हू

कि सरकार उस पर तरमीम कर सकती है, मेरे हल्के मे भी इस प्रकार की गडगड चल रही है। मै सरकार को कहना चाहता हू कि सरका इंटरप्रिन्योर्ज का जाल ज्यादा बढाए, हर सब डिविजन लैवल पर 2–2,3–3, ठेकेदारो का प्रावधान करे। ज्यादतर ये ठेकेदार यू0पी0 से आते है, उनमे रि वत के काम की मेहरबानी करके सख्ती करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो बात रखी है मै उनको बताना चाहूगा कि कोटा की भी हमारी फर्म है, आगरा की भी फर्म है, अलवर की फर्म है और अन्य जगहो की भी फर्मज है, इन्होने जो रि वत की बात रखी है इसको मानता हू और हम इसमे इम्प्रूवमैट करने की कोि ा ा करेगे।

श्री एस0एस0 सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी पूरे स्टेट मे ट्रासफार्मर्ज के जलने और डैमेज की बहुत ि ाकायते है, क्या यह सच है कि पिछली सरकार ने सब स्टैडर्ड मैटीरियल वाले ट्रासफार्मर्ज बहुत ज्यादा मात्रा मे खरीदे जिस वजह से इतना डैमेज है और अगर यह सच है तो उनके खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही कर रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो बात रखी है और अगर इस तरह की कोई ि ाकायत

आती है तो हम उकसेा एग्जामिन करवा लेगे और कार्यवाही करेगे, वैसे तो आज तक हमारे पास ऐसी कोई ि ाकायत नही आई है।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, यहा पर ट्रासफार्मर्ज की रिपेयर के लिए वर्क ाप पर चर्चा चल रही है। मै वर्क ाप के बारे मे नही कहूंगी कि कलायत या उसके आस पास कोई वर्क ाप हो लेकिन यह अपील जरूर करना चाहूंगी कि बहुत से ट्रासफार्मर्ज जो जल जाते है और रिपेयर के लिए जाते है तो उसका टाईम फिक्स किया जाए कि यह ट्रासफार्मर्ज इतने समय मे रिपयेर होकर आ जाएगा। मै यह भी अपील करना चाहती हू कि ट्रासफार्मर जिस समय रिपेयर करने के लिए उठाकर ले जाया जाता है उस पीरियड के बीच कोइ पुराना ट्रासफार्मर रिपेयर किया हुआ वहां जरूर लगा दिया जाना चाहिए। इसके साथ साथ इस चीज का भी ध्यान रखा जाए कि जितनी कैपेसिटी के ट्रासफार्मर की रिक्वायरमैंट है उतनी ही कैपेसिटी के ट्रासफार्मर रखे जाए। मान लो, अगर ज्यादा कैपेसिटी के ट्रासफार्मर लगाए जाए। कुछ क्षेत्र ऐसे है जहां ट्रासफार्मर जल जाते है और ट्रासफार्मर रिपेयर होकर आते ही नही है और वहां क्षेत्र केवल दिनही नही, हफ्तो नही बल्कि महीनों बिना ट्रासफार्मर के रह जाते है इसलिए इस समस्या की और जल्द से जल्द ध्यान दिया जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, लोड फैक्टर की बात माननीय सदस्या ने रखी है मै पहले ही बात चुका हू कि जो ट्रासफार्मर लगाए जाते है, बाकायदा वहां का लोड देखकर ही

लगाए जाते है लेकिन दिक्कत यह है कि लोग ट्यूबवैल पर मीटर लगाते तो 10 होर्स पावंर की है और भाो करते है 5 होर्स पावर ही। इस प्रकार ट्रासफार्मर ओवर लोडिड हो जाता है और जल जाता है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सवाल ट्रासपोर्टे ान और ट्रासफार्मर की रिपेयर की बात है तो इस पर पूरा ध्यान दिया जाएगा ताकि किसानो की किसी प्रकार की समस्या न आए।

Setting of Industries in the State

139. Dr. Sita Ram: Will the Minister for Industries be please to state total number of industries have been set up and are likely to be set up in the state after implementing the new industrial Policey?

Indstries Minister (Sh. Lachman Dass Arora): 508 Industrial Units have been set up upto November 2005 after the new industries Policy came into force. This policy aims at providing employment to ten lac persons and envisages investment of Rupees two lac crore in the next ten years.

डा0 सीता रामः अध्यक्ष महोदय, में मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि उन्होने जिन 508 औधोगिक इकाइयों का जिकर किया है, क्या उन्होने अपने जिले सिरसा मे भी कोई औधोगिक इकाई लगाई है, इसके अलावा जो क्षेत्र औधोगिक रूप से पिछडे हुए क्षेत्र है चाहे फतेहबाद, महेन्द्रगढ है या नारनौल है क्या इन इलाको मे कोई नया उधोग लगाया गया है। साथ ही साथ मै डिस्ट्रिक्ट वाइज डिटेल भी जानना चाहूंगा कि वे कौन कौन से उधोग है जो लगाए गए है। मंत्री जी ने एक वेग आनसर

दिया है कि 508 उधोग लगाए है लेकिन डिटेल नही बताई है इसलिए मै चाहूंगा कि मंत्री जी इसकी पूरी डिटेल बतांए।

श्री लक्षमन दास अरोडा: अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने जो पूछा है मैने उसका जवाब दिया है, इन्होने इतना ही पूछा है कि कितने उधोग लगाए है, मैने इनके प्र ान का ही जवाब दिया है, विस्तार मे इन्होने कोई बात नही की। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनका क्वै चन देखिए। सीता राम जी, आपने जो सवाल दिया है वह मै यहां पढ देता हू।

"Will the Minister for Industries be please to state total number of industries have been set up and are likely to be set up in the state after implementing the new industrial Policey?"

अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो सवाल पूछा है मैने उसका जवाब दे दिया है जो सप्लीमैटरी से पूछ रहे है वह इसमे बनता ही नही है।

वित मंत्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, सिरसा की इण्डस्ट्रीज के बारे मे तो इनको जवाब दे ही दिया है। हरियाणामे जो इण्डस्ट्रीज लगी हुई थी इन लोगो की सरकार ने तो सारे हरियाणा की इण्डस्ट्रीज को ही खत्म कर दिया है।

Construction of Dau-Marja Road

175. Shri Kharaiti lal Sharma: Will the Chief Minister be please to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government toe consitruct the left out part of the link road between National High Way No. 73to village Due Majra. Tehsil Shahabad Markands. District Kurukshetra; and

(b) if so, the time by which the said piece of the road is likely to be constructed?

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjwala):

(a) Yes Sir,

(b) it is likely to be constructed by June 2006.

श्री खरैती लाल भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा। परन्तु मै उनको एक बात भी बताना चाहूंगा कि नै ानल हाई वे न0 73 की थोडी सी दूरी पर सडक का यह छोटा सा टुकडा है जिसे बनाने मे छः महीने का समय लगेगा। मै माननीय मंत्री महोदय से यह निवेदन करना चाहूंगा कि सडक के इस टुकडे को बनाने मे थोडा सा एमांउंट ही लगेगा। स्टेट हाई वे पर निवेदन करना चाहूंगा कि सडक के इस टुकडे को बनाने मे थोडा सा एमांउंट ही लगेगा। स्टेट हाई वे पर रेलवे ब्रिज बनता है और उस सडक का सारा ट्रैफिक इस तरफ डाईवर्ट कर दिया गया है इस वक्त वहां पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा है जिस कारण सडक टूटी हुई है। अगर छः महीने तक तो यह सडक और भी ज्यादा टूट जाएगी और उसमे गढ्ढे भी पड जांएगे

और उसमे पैसा ज्यादा लगेगा और टाईम भी ज्यादा लगेगा अगर उकसेा इस वक्त बना दिया जाए तो वह थोडे से समय मे थोडे पैसे से तैयार हो जाएगी। क्या माननीय मंत्री महोदय, इस बारे मे विचार करेगे?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, 7 दिसम्बर, 2005 को इस सडक के लिए तीन लाख चार हजार रूपये सैक ान किए गए है। हम छः महीने के बजाए इस टुकडे को जल्दी से जल्दी बनाने के लिए प्रयास करेगे और विभाग को इस बारे मे निर्दे ा दे देगे।

Opening of Rakshi Rivulet

138. Sh. Ramesh Gupta: Will the Minister for Irrigation be please to state-

(a) whether there is proposal consideration of the Government to desilst/open Rakshi rivuler in the Ladwa town of distict Kurukshetra; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Rivulet is likely o be disited/opened?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav):

(a) No, Sir

(b) Not applicable in view of answer to (a) above.

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र लाडवा मे वाटर

लैवल बहुत नीचे जा रहा है। सरस्वती, चिंतग और राक्षी हमारे यहां पर 30–40 किलोमीटर के एरिया मे निकलती रही है लेकिन किसी कारणव ा अब ये बंद हो गई है। रैवेन्यू रिकार्ड मे उनके होने का प्रमाण मौजूदा है और उनको अब खोला जा सकता है। दादूपूर नलवी निकालने की परियोजना पर सरकार विचार कर रही है और डिस्ट्रिब्यूटरी बना कर उसको राक्षी मे डाला जाएगा तो हमारे एरिया का वाटल लैवल इससे कुछ ऊपर आ जाएगा। हमारा यह सारा एरिया पैडी ग्रोईंग एरिया है। माननीय मुख्यमंत्री जी जब कुरूक्षेत्र गए थे तो यह मामला उनके नोटिस मे भी लाया गया था इससे किसानो को बडा भारी लाभ मिलेगा और दूसरी बात यह है कि इससे भाहर के ड्रैनेज सिस्टम को भी फायदा हो सकता है। इसमे सरकार को ज्यादा खर्च भी नही करना पडेगा। अध्यक्ष महोदय, लाडवा के पास कुछ खुदाई भी नही हुई है। मै माननीय मंत्री महोदय का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहूंगा कि जहां सरकार साउथ हरियाणा मे पानी की तरफ इस प्रकार से ध्यान दे रही है क्या हमारे इलाके की और भी उसी प्रकार से ध्यान देने की कृपा करेगी?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बाते रखी है मै उसके बारे मे इनके नोटिस मे लाना चाहूंगा कि चितंग और राक्षी नाम के बरसाती नाले है जिनके कारण लाडवा के एरिया मे बडी भारी बाढ आ जाती थी। करीब 20 साल पहले इसके लिए आर0डी0 138 मे जाकर नाले को

डाईवर्ट करके डबल्यू0जे0सी0 मे मिला दिया था। जहां तक इन नालो के पानी से सिचाई की बात का सम्बन्ध है, सिंचाई के तौर पर इकना इस्तेमाल नही हो सकेगा। जिस एरिया मे राक्षी नाला निकलता है अगर उसको डाईवर्ट करके निकालते है तो लाडवा का सारा गन्दा पानी इस नाले मे गिरेगा। डबल्यू0जे0सी0 का जो वाटर है वह उसमे सिरसा मे जाकर मिलता है यदि उसको यूज करना है तो उस पानी को ट्रीट करके उसमे मिलाया जा सकता है और यह काम पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट का है इस पानी को ट्रीट करके इसमे डाल दिया जाए, इसके बारे मे विचार किया जा सकता है। दूसरी बात ये जो पानी की रिचार्जिग की बात कर रहे है इसके लिए दादुपूर नलवी स्कीम चल रही है उसे हम रिचार्जिग की बात करेगे लेकिन इससे कोई रिचार्जिग की बात करेगे लेनिक इससे कोई रिचार्जिग की बात नही है।

प्रो0 छतर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा डिसिल्टिंग के बारे मे सवाल है। मै यह पूछना चाहता हू कि पूरे प्रदे ा मे कैनाल्ज की डिसिल्टिंग हो चुकी है अगर नही हुई है तो कब तक हो जाएगी। स्पीकर साहब, कई कैनाल्ज की चैनल्ज की बीच मे से तो सफाई हो चुकी है लेकिन क्या उनके बैंक के ऊपर की सफाई करने का भी प्रपोजल है। इसके अलावा कैनाल्ज से जो पानी की थैफ्ट होती है उसको भी रोकने का काम सरकार द्वारा करवाया जाए।

श्री अध्यक्षः यह प्र ान स्पेसिफिक नाला साक्षी के बारे मे है। पूरे प्रदे ा की बात नही है मिनिस्टर के लिए यह पोसिब्ल नही है कि यह बरबली पूरे प्रदे ा के बारे मे जवाब दे दे।

प्रो0 छतर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि चैनल्ज के अन्दर की तो डिसिल्टिंग करवा दी गई है। मै मंत्री से जानना चाहता हू कि क्या उनके बैंकस के ऊपर की भी सफाई करवाने की कोइ प्रपोजल है? इस बारे मे जवाब दे दे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः यह जो डिसिल्टिंग की बात कर रहे है। इस बारे मे आपके माध्यम से इनको बतना चाहूंगा कि टोटल कैनाल्ज 955 है। 1.4.2005 से 30.11.2005 तक 765 कैनाल्ज पर डिसिल्टिंग का काम करवाया है। यह नही है कि यह काम पूरा हो गया है, यह काम अभी अन्डर प्रोग्रेस है। जहां तक इन्होने पानी की चोरी की बात कही है तो इस बारे मे देख लेगे। सर, खासतौर पर महेन्द्रगढ, नरवाना और हिसार के एरिए के हैडज पर लोग चोरी करते है। इस बारे मे हम कोि ा ा कर रहे है और हरियाणा आर्म्ड पुलिस की सहायता से पैट्रोलिंग करके चोरी की रोकथम की कोि ा ा करेगे।

श्री रमे ा गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी बाढ का जिकर किया है तो मै सदन मे आपको बताना चाहूंगा कि 30–40 साल पहले बाढ आई थी। यह जो दादरी और नलवी कैनाल हमारे

एरिए से नही गुजरती है तो ये यहां पर किसानों को सिचाई के लिए पानी कैसे देगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य और सदन के सभी सदस्यो को यह कहना चाहूंगा कि किसानो से सम्बन्धित कोई बात आती है तो हम उसको पूरा करने के लिए वचनबद्ध है।

Setting of 33 KV Sub Statin at Mundhri and Songri Villages

156. Shri Tejendra Pal Singh Mann: Will the Minister for Irrigation be please to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 33 KV Sub Station in Mundhri and Songri village of Kaithal District; and

(b) if so, what steps will be taken by the Government to improve the voltage problem in the said area?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav):

(a) No, Sir

(b) (i) **Steps to improve voltage problem in village Mundhri:**

To improve voltage in Mundhri Village earlier 11 KV feeder has already been trifurcated. The voltage in village Mudhri is now satisfactory.

(ii) **Steps to improve voltage problem in village Songri:**

A proposal is under consideration for reducing the length of the 11 KV feeder to village Songri; which willl improve the voltage. This work is likely to be completed by 31-03-06.

इसके साथ साथ ही मै यह कहना चाहूंगा कि यह जवाब सेटिसफैक्टरी है। हम जो रिपोर्ट मिली है इस पर काम करने की जरूरत है। अरग आप कहगे तो हम इसको एग्जामिन करवा लेगे।

अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को यह कहना चाहूंगा कि संस्कार जो रिटन रिप्लाई मे नही है।

इसके साथ ही सदन को बताना चाहूंगा कि प्र ान के उतर के बी भाग पार्ट दो मे है:–

(ii) **Steps to improve voltage problem in village Songri:**

A proposal is under consideration for reducing the length of the 11 KV feeder to village Songri; which willl improve the voltage. This work is likely to be completed by 31-03-06.

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी के नोटिस मे यह बात लाना चाहूगा कि मुन्धडी गांव कैथल और पुंडरी के बीच मे है और यहां पर हमने आपके प्लान के अनुसार पंचायत के रैजोल्यू ान से बिजली बोर्ड की जमीन दे रखी ह। इस तरह से काफी कारगुजारी इस बारे मे हो

रखी है। यह केवल मुन्धडी गांव का सवाल नही है। वहां पर सडक से उधर 12–13 गांवो का कलस्टर है। अगर आप वहां पर सब स्टे ान 33 के0वी0 का बना देगे तो इससे आपका बिजली का सिस्टम भी बेहतर होगा। वहां पर जो कटवाड, धौंस, नैना, खनौदा आदि गांव है इन गांवो को बिजली देने का सिस्टम बहुत ही पुअर है। हमारी एक प्राब्लम है और वह यह है कि वहां जो इलाका मेरी कस्टीच्यूएंसी से लेकिन कलायत या उससे आगे तक का है उसमे दस साल पहले फलड आया था उससे पहले तो यह इलाका बिल्कुल बरानी इलाका था या फिर थोडा बहुत कैनाल इरीगेटेड इलाका था वहां पर बहुत ज्यादा डिमांड बिजली की है। हमने जखौली गांव मे सब स्टे ान बनवाया था लेकिन उससे भी अब काम नही चल रहा है। सोंगर गाव मे भी बिजली की इम्प्रूवमैंट के लिए 33 के0वी0 का सब स्टे ान बनना बहुत आव यक है। अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे पंचायते भी कोओपरेट कर रही है और हम भी कोओपरेट कर रहे है। वहा पर बहुत ज्यादा टयूबवैल्ज लग रहे है। जनता जनार्दन ने गरीब लोगो ने बीस तीन लाख हजार रूपये, लाख लाख रूपये दे रखे है इसलिये मै मंत्री जी से यह आ वासन चाहूंगा कि आप मेहरबानी करके इस प्रपोजल को दिखवा ले और इनको बनवाने की कृपा करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि जहां तक मुन्धडी गांव की बात है हमने वहां के 11 के0वी0 सब स्टे ान को ट्राईफिर्कट कर दिया था। इससे

मुन्धडी, धौंस, और कटवाड आदि गांव को बिजली सप्लाई की जा रही है। लेकिन इनकी बात को देखते हुए हम इसका सर्वे करवाएगे और अगर जरूरत पडी तो इस सब स्टे ान को 33 के0वी0 सब स्टे ान बना देगे लेकिन इसके लिए जमीन पंचायत को ही देनी पडेगी। जहां तक सोगरी गांव के सब स्टे ान की बात है। यहां पर भी हमने काम कर दिया है। हम इसको तारागढ से कनैक्ट करेगे, इसके बाद इसका सात किलोमीटर का डिस्टैन्ट कम हो जाएगा। इसके बाद सोंगरी गांव की वोल्टेज मे काफी फर्क पडेगा। यह काम हम 31.3.2006 तक पूरा कर देगे।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, सोंगरी गांव कैथल जिले का और मेरे हल्के का भी आखरी गाव है। आपकी स्कीम के तहत वहां पर बीस तीस टयूबवैल्ज लगे है इसलिए जब तक इनके बीच मे आप और कोई सब स्टे ान नही बनाएगे तब तक एग्जिस्टिंग फीडर्ज से भी उनकी पावर रिक्वायरमैट पूरी नही होगी। हम इसके लिए सारी जमीन वगैरा भी देने को तैयार है तो क्या मंत्री जी इसको बनवाने के बारे मे विचार करेगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने बताया है कि सोंगरी गांव को हम जखौली से फीड कर रहे है। हमने आलरेडी वहां पर काम कर दिया है फिर भी अगर यहां पर फर्क नही पडेगा तो हम इसको ऐग्जामिन करवा लेगे।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदय, आज से दस पन्द्रह साल पहले जो 33 के0वी0 सब स्टे ान हमने बनवाए थे उनमे अब तक कोई भी तरमीम नही हुई है उनको बढाया नही गया है जिसके कारण लोग दुखी है भाडावास सब स्टे ान के बारे मे मै बताना चाहूगी कि वहां पर अब काफी कनैक ान बढ गये है जिसके कारण लोग पूरी बिजली ने मिलने के कारण तडप रहे है। क्या मंत्री जी उस सब स्टे ान को अपग्रेड करने के बारे मे विचार करेगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, यह ओन गोईग प्रौसेस है जहां लोड फैक्टर बढ जाता है वहां पर हम सब स्टे ान को अपग्रेड कर देते है। इन्होने भाडावास के सब स्टे ान को अपग्रेउ करने के बारे मे जिकर किया तो हम इसको भी एग्जामिन करवा लेगे।

Mr. Speaker: Hon'ble Members. Now question hour is over.

नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर

Plantation of Trees

135. Shri Radhey Shyam: Will the Minister forest be please to state-

(a) the total number of trees planted in district Mahendergarh, Rewari, Gurgaon and Faridabad during the year 2002-2003, 2003-2004 and 2004-2005,

(b) whether and kind of irregularities/embezzlement of funds in the palantation of the aforesaid trees have come into the notice of the Government. If so, the details thereof togehterwith the action, if any, taken or proposed to be taken against the delinquent officers/officials, and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Governement to provide trees/plants to a person for palantation in South Haryana?

आबकारी एवम कराधान मंत्री (श्री विनोद कुमार भार्मा): मांगी गई सूचना सदन के पटल पर रखी गयी है।

सूचना

(क) वर्श 2002-2003, 2003-2004 and 2004-2005, मे वन विभाग द्वारा महेन्द्रगढ, रेवाडी, गुडगांव और फरीदाबाद जिलो मे कुल लगाए गए पौधे निम्न प्रकार है:

गुडगांव और फरीदाबाद जिलो मे कुल लगाए गए पौधे निम्न प्रकार है:

वर्श	महेन्द्रगढ	रेवाडी	गुडगांव	फरीदाबाद
2002—03	81279	564581	2442239	498763

2003—04	1313013	581835	1265719	660454
2004—05	1139486	619506	422834	624254

वन विभाग द्वारा उपरोक्त लगाये गये पौधो के अतिरिक्त व्यक्तियों किसानो संस्थाओ एवम अन्य संस्थाओ को उन द्वारा पौधारोपण के लिए निम्न प्रकार से पौधे नि ाुल्क दिये गएः

वर्श	महेन्द्रगढ	रेवाडी	गुडगांव	फरीदाबाद
2002—03	423968	572062	1308471	1068390
2003—04	469246	577419	986527	1063752
2004—05	489685	674003	1304224	1117604

(ख) विभाग के विभिन्न स्तर के अधिकारियो द्वारा पौधारोपण की नियमित जांच के दौरान कुछ कमियों की रिपोर्ट की गयी। दोशी कर्मचारियो के विरूद्ध अमल मे लाई जा रही है।पाई गयी कमियों एवम दोशी कर्मचारियों के खिलाफ भाुरू की गई कार्यवाही का विवरण निम्नलिखित है।

जिला महेन्द्रगढ

क्र0 सं0	पौधोरोपण क्षेत्र का नाम	पौधारोपण का वर्श	प्राप्त लक्ष्य (हैक्टेयर	रिपोर्ट की गई कमी	केस मे की गई कार्यवाही

			मे)	(हैक्टेयर मे)	
1.	जेरपुर पंचायत भूमि	2003–04	10 है0	0.3 है0	वन राजिक अधिकारी व वन दारोगा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
2.	बछोदा पंचायत भूमि	2003–04	7.5 है0	0.05 है0	वन राजिक अधिकारी व अन्य कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
3.	बछौद कुंजपरा रोड (किलोमीटर 0.4 दांये व बाये ।)	2002–03	2.5 है0	0.8है0	कर्मचारियो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

4.	मेहनपुर डिस्ट्रीब्यूट्री (किलोमीटर 0.4 दांये व बाये ।)	2004–05	2 है0	0.2 है0	वन राजिक अधिकारी व अन्य कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
5.	अटेली कनीना रोड (किलोमीटर 0.4 दांये व बाये ।)	2003–04	12 है0	4 है0	सभी संबधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

जिला महेन्द्रगढ

क्र0 सं0	पौधोरोपण क्षेत्र का नाम	पौधारोपण का वर्श	प्राप्त लक्ष्य (हैक्टेयर मे)	रिपोर्ट की गई कमी (हैक्टेयर मे)	केस मे की गई कार्यवाही
1.	फरीदाबाद तिगांवा	2003–04	5 है0	0.2 है0	वन राजिक अधिकारी व

	खेडी रोडी (किलोमीटर 3–10 दांये व बाये ।)				वन दारोगा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
2.	बल्लभगढ सिमरथला रोड (किलोमीटर 5–10 दांये व बाये ।)	2003–04	7 है0	2.8 है0	वन राजिक अधिकारी व वन दारोगा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
3.	डी0एस0 रोड (किलोमीटर 31–38 दांये व बाये ।)	2003–04	18 है0	8.7 है0	उपरोक्त के अनुसार ही कारण बताओ नोटिस जारी किये गये।
4.	उजीना डाईवर्जन ड्रैन (किलोमीटर 6–7 दांये व बाये ।)	2004–05	20 है0	5.1 है0	वन राजिक अधिकारी व वन रक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया

5.	पिगार ड्रैन	2004–05	6 है0	1.2 है0	वन राजिक अधिकारी व वन रक्षक व माली को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया
6.	पृथला असवावती रोड (किलोमीटर 0–4 दांये व बाये ।)	2004–05	2 है0	0.4 है0	सभी संबधित स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
7.	बाई बाटा ड्रैन आर0डी0 0–20 दायें व बायें	2004–05	4 है0	3 है0	वन राजिक अधिकारी व वन दरोगा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया
8.	सुल्तानपुर सुरक्षित वन	2004–05	20 है0	2.3 है0	वन राजिक अधिकारी व

					वन दरोगा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया
9.	फरीदाबाद तिगांव रोड (4–10 दाये व बाये)	2004–05	5 है0	0.45 है0	सभी संबधित स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

जिला गुडगांव

क्र0 सं0	पौधोरोपण क्षेत्र का नाम	पौधारोपण का वर्श	प्राप्त लक्ष्य (हैक्टेयर मे)	रिपोर्ट की गई कमी (हैक्टेयर मे)	केस मे की गई कार्यवाही
1.	रावली पंचायत भूमि खेडी रोड (किलोमीटर)	2002–03	15 है0	14 है0	वन राजिक अधिकारी व वन दारोगा को कारण बताओ नोटिस जारी

					किया गया।

जिला रिवाडी

वर्श 2002 मे मुख्य वन संरक्षक, सामाजिक वनिकी परियोजना ने रेवाडी जिले मे नर्सरी उगाने मे कुछ अनियमितताये अंकित की। इन बताओ गयी अनियमितताओ के आधार पर श्री मनोहर लाल, वन राजिक व श्री भूप सिंह, मण्डलीय लेखाकार को आरोप पत्र जारी किये गये। श्री मनोहर लाल, वन राजिक अधिकारी ने अपने उतर मे आरोपो को खण्डन किया। श्री भूप सिंह, लेखाकार ने नर्सरी पर हुए व्यय और उगाये गये पौधो की संख्या का वाउचर दर वाउचर विवरण दिया। दण्ड अधिकारी ने इस केस मे लेखाकार को व्यय के गलत बुकिंग और लापरवाही के अतिरिक्त किसी बडी अनियमितता के लिए जिम्मेवार नही समझा।

आरोपित कर्मचारियों के उतरो व लेखाकार के खिलाफ आरोपो की जांच रिपोर्ट के आधार पर दोनो ही केस फाईल कर दिये गये।

(ग) वन विभाग द्वारा सम्पूर्ण राज्य मे आम जनता, किसानो, सरकारी संस्थानो तथा अन्य संस्थाओ को वृक्षारोपण के लिए मुफ्त पौधे रोपण का एक कार्यक्रम पहले ही चलाया जा रहा है।

176. Shri Ram Kumar Gautam: Will the Minister for irrigation be please to state-

(a) whether it is fact that the water W.J.C is being supplied for irrigation prupose to village Masudapur in Narnaund constituency and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govermnent to stop the supply of water W.J.C and providing the same through Bakhra Canal from Panihari Village Masudpur?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav):

(a) Yes, Sir

(b) Yes, Sir

Development of Sectors in Safidon Constituency

176. Shri Bachan Singh Arya: Will the Chief Minister be please to state whether there is any proposal under consideration of the Government to develop the sectors of HUDA in Saffidon constituency; if so, the time by which the work for the development of the Sectors is likely to be started?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): श्रीमान जी, नही।

Setting up of 33 KV Sub Station

219. Shri Somvir Singh: Will the Chief Minister be please to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to seu up 33 KV Sub Station

at Singhani, Baralu, Jhuppa Kalan (Siwani) in Loharu Constituency; and

(b) if so, the time by which the above said proposal is likely to be meteralized?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा):

(क) सिंघानी हां श्रीमान।

बरालू नही, श्रीमान

झूण्पाकंला नही, श्रीमान। मीठी मे अस्थाई उपकेन्द्र को अब ग्राम पचांयत मीठी से 4 एकड भूमि के प्राप्त होने पर स्थाई उपकेन्द्र मे परिवर्तित किया जाना है।

(ख) सिंघानी यह योजना तकनीकी जांच पडताल के अन्तर्गत है। आमतौर पर टैन्डर के नियतत के प चात् 33 के.वी. उप केन्द्र के निर्माण मे 18 महीने का समय लगता है।

बरालू उपरोक्त (क) के दृश्टिगत प्र ान नही उठता।

झूप्पाकंला मीठी उपकेन्द्र की क्षमता वृद्धि 6 महीने के अन्दर की जानी सम्भावित है।

Abhiana for Canal Water

215 Smt. Geeta Bhukal: Will the Minister for Irrigation be please to state-

(a) whether it is fact that the water does not reach upto the tail of Bata Minor, Chasuhala Minor, Sirsa, Parallel of the Kalayat Constituency for the last 3-4 years even then adjyana for canal water is being realized; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to waive off suck kind of abiyana?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) नही श्रीमान जी। आबियान सिंचित क्षेत्र के मापने उपरोक्त वसूला जाता है।

(ख) उपरोक्त (क) के अनुसार प्र ान ही पैदा नही होता।

Opening of Government College for Girls at Bapoli

273. Shir Bharat Singh Chhokar: Will the Minister for Education be please to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open Government College for Girls in village Bapoli; if so, the time by which it is likely to be opened?

ि ाक्षा मंत्री श्री फूलचंद मुलाना: नही श्रीमान जी।

Sewerage Water of Haluwas & Prahladgarh Villages

237. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj: Will the Minister for Health be please to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that the sewerage water is not only destroying the cultivable land of about 450 acres of Haluwas and Prahladgarh village of district Bhiwani but also it has become health hazardous for the people of the said villages;

(b) if so, the steps taken or proposed to be takan to save the aforesaid land from the sewerage water; and

(c) whether it is also a fact that the farmers have not been given vompersation of the aforesaid land which was acquired for the construction of Katcha Nala?

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला):

(क) श्रीमान जी, केवल बरसता के मौसम मे ही कुछ सीवरेज का पानी बरसाती पानी से मिलकर इन गांवो की जमीन पर फैलता है। वैसे यह पानी किसानो द्वारा सिचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

(ख) इस पानी को रोक कर हालूवास माईनर तथा ढाणा नरसाण माईनर के माध्यम से सिचाई के उपयोग के लिए सिचाई विभाग मे प्रस्ताव विचाराधीन है।

(ग) किसानो की कोई जमीन कच्चा नाला बनाने के लिए अधिग्रहीत नही की गई है इसलिए मुआवजा देने की कोई जरूरत नही थी।

Genertation of Power

232. Shri Shadi Lal Batra: Will the Chief Minister be please to state-

(a) the question of electricity in Mega Watt was being generated by the State as well as the demand at the time of inception of the Haryana State i.e 1st November 1966.

(b) the efforts/steps intiated and completed by the previous Governments during their tenure regarding generation of power in the State from 1st November 1966 to March, 2005; and

(c) details of the plans of present Government to make up the deficiency between the demand and supply of the electricity in the State?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा):

(क) हरियाणा राज्य की स्थापना अर्थात 1 नवम्बर, 1966 के समय हरियाणा राज्य द्वारा 29.425 मैगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा था तथा लगभग 313.50 मैगावाट बिजली हरियाणा राज्य के हिस्से के तौर पर बीबीएमबी से ली जा रही थी जिसके अनुसार हरियाणा राज्य के पास 343 मैगावाट की कुल उत्पादन क्षमता उपलब्ध थी तथा उस समय लगभग 134 मैगवाट बिजली की मांग थी।

(ख) पिछली सरकारो द्वारा उनके कार्यकाल के दौरान राज्य मे 1 नवम्बर, 1966 से मार्च, 2005 तक राज्य मे बिजली उत्पादन के लिए उठाए गए तथा पूरे किए गए प्रयत्न कदमो के

परिणामस्वरूप राज्य की उपलब्धता उत्पादन क्षमता लगभग 343 मैगावाट से बढकर 4033 मैगावाट हो गई है। कुल उपलब्ध उत्पादन क्षमता मे से मार्च, 2005 तक हरियाणा पावर जनरे ान कारपोरे ान के हरियाणा स्थित उत्पादन केन्द्रो से 1587.4 मैगावाट की उत्पादन क्षमता थी।

(ग) वर्तमान सरकार राज्य मे बिजली की मांग की पूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए यमुनानगर मे 600 मैगावाट क्षमता का कोयला आधारित प्लांट लगा रही है तथा राज्य मे सरकारी/निजी क्षेत्र मे, लगभग 4000 मैगावाट क्षमता के गैस/कोयला आधारित प्लांट लगानू की योजना बना रही है। सरकार 11वी पंचवर्शीय योजना के दौरान हिमाचल प्रदे ा तथा उतरांचल जैसे राज्यो के साथ सयुक्त रूप से पन बिजली परियोजनांए स्थापित करने की सम्भावनाओ पर भी विचार किया जा रहा है।

Opening of Purchase Centre at Dhandh

289. Shri Kulbir Singh: Will the Deputy Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to opne a wheat purchase under at Village Dhandh in distirict Fatehbad; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materalized?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द्रमोहन): श्रीमान जी,

(क व ख) गांव ढाण्ड, जिला फतेहबाद सीजन, 2006 से खरीद केन्द्र खोलने का निर्णय लिया जा चुका है।

Irreguarities in the Recruitment

253. Smt. Kiran Chaudhary: Will the Chief Minister be pleased to state whether there has been any irregularities committeed in recruitment to the post of different categories of various department of Haryana Government on the recommendation of HSSC during the last regime of previous Government, if so, the detaisl thereof togetherwith the action taken in this regard?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा की गई भर्ती प्रक्रिया बारे चल रही तीन जांचे प्रारंभिक आंकलन के आधार पर चौकसी विभाग द्वारा की जा रही है इनका सम्बन्ध प्लांट अटैडैट्स, मोटर व्हीकल मैकेनिक और उप वन रेंजर के पदो ंके चयन से है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा उप निरीक्षक के पद के चयन से सम्बन्धित मामला केन्द्रीय अन्वेशक ब्यूरो को जांच के लिए भेजा हुआ है।

Delivery Huts

309- Kumari Sharda Rathore: Will the Minister for Health be pleased to state whether the district wise total number of delivery huts constructed by the Health Department in the State so far together with the number of more delivery huts are proposed to be constructed in near furure?

स्वास्थय मंत्री (बहन करतार देवी): ब्यान सदन के पटल पर रखा गया है।

ब्यान

राज्य मे खोले गए प्रसूति गृहो की संख्या 135 है। जिलेवार यह संख्या पंचकूला 7, अम्बाला 3, कुरूक्षेत्र 7, यमुनानगर 4, करनाल 10, कैथल 13, पानीपत 6, सोनीपत 8, जीन्द 4, रोहतक 8, झज्जर 4, भिवानी 20, रिवाडी 10, नारनौल 5, हिसार 8, सिरसा 1, फतेहबाद 1, फरीदाबाद 8, गुडगांव 2, तथा मेवात 6 है।

राज्य मे कुल 300 प्रसूति गृह खोले जाने है निकट भविश्य मे 165 और प्रसूति गृह खोलने का प्रस्ताव है जिलेवार ब्यौरा है: पंचकूला 3, अम्बाला 7, कुरूक्षेत्र 5, यमुनानगर 5, करनाल 5, पानीपत 10, सोनीपत 10, जीन्द 9, रोहतक 10, झज्जर 9, रिवाडी 10, नानौल 19, हिसार 8, सिरसा 16, फतेहबाद 11, फरीदाबाद 6 तथा गुडगांव 22।

अतारकितं प्र ान एवम उतर

7. Shri Dharam Pal Singh Malik: Will the Chief Minister be pleased to be state-

(a) whether there is any proposl under consideration of the Governemnt to construct the roads from Lath to Guhana via Bhainswal Kalan and Kailana Khas (Gohana) to Khanapur Kalan: and

(b) if so, the time by which these roads are likely to be constructed?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा):

(क) नही श्रीमान जी।

(ख) प्र ान ही नही उठता।

Releasing of Grant for C.HC. Juan

8. Shri Dharam Pal Singh Malik: Will the Minister for the Health be pleased to state whether any grant has been sanctioned for the construction of new Building for C.H.C Juan in district Sonepat, if so, the amount there of togetherwith time by which the grant is likely to be released and utilized?

स्वास्थय मंत्री (बहन करतार देवी): जी, नही।

Un employed Person Registered with Employment Exchanges of the State

9. Dr. Sushil Indora: Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state the number of un employed persons registered with employment exchanges in the state as on to day?

वित मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): दिनांक 31.10.2005 को राज्य के रोजगार कार्यालयों मे दर्ज बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या 1055686 है।

Opening of the Branch of Haryana State Co Operative Society Bank

11. Shri Naresh Yadav: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is fact that the brach of Haryana State Cooperative Society Bank has been shifited from village Ratta Kalan (Ateli Constituency) to Deongra Ahir Village in Mohaindergarh Contituency?

(b) if so, whether the Governement will reconside the matter for reopening the brach of the aforesaid Bank again in the Village Ratta Kalan?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा):

(क) हरियाणा राज्य सहकारी भीर्श बैक लि0 की राता कंला मे कोई भााखा नही थी, यधपि वहां पर महेन्द्रगढ केन्द्रीय सहकारी बैक की भााखा गांव साता कलां मे भी जो कि वर्श 1999 मे दौरान महेन्द्रगढ विधानसभा क्षेत्र के गांव दोगडा अहीर मे स्थानांतरित की गई थी।

(ख) भााखा कार्यालय गांव राता कंला न तो संक्षम और न ही आसानी से पंहुचने लायक था, इसलिए महेन्द्रगढ केन्द्रीय सहकारी बैक की भााखा गांव राता कलां मे पुन खोलने के मामले पर व्यावसायिक मापदण्ड को ध्यान मे रखते हुए पुन विचार नही किया जा सकता।

Opening of I.T.I for Girls In Ateli

12. Shri Naresh Yadav: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Governement to opne an I.T.I for girls at Ateli in district Mahendergarh?

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द्र मुलाना): श्रीमान जी, नही।

स्वास्थय मंत्री (बहन करतार देवी): तथ्य यह है कि अर्थ चिकित्सा अमले पैरा मैडीकल स्टाफ की कमी है। नर्सिग सिस्टर का एक स्टाफ नर्स के पांच तथा औशधाकारक का एक पद रिक्त है। भर्ती की प्रक्रिया भुरू की जा चुकी है। सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र वि ोशज्ञ सेवांए उपलब्ध करवा रहा है। जिसमे दंत चिकित्सा भी भाामिल है।

प्रजनन एवम बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मे प्रसूति कक्ष एवम आप्रे ान थियेटर का निर्माण किया जा रहा है। जिला नारनौल मे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अटेली का चयन ग्रामीण स्वास्थ्य मि ान के तहत भारतीय सार्वजनिक स्वास्थय मानक के अनुसार उन्नयन के लिए किया गया है जिससे चिकित्सा एमव भाल्य आव यकताओ को पूरा करने मे बहुत मदद मिलेगी।

Desiliting of Canal/Minors in the State

15. Shri Naresh Yadav: Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Governement to desilt the canals and minors in the State during the current financial year togetherwith the budget provided for the repair and desiliting

of the said canal/minors for the current financial year alongwith the name of works on which the budget has been spent so far?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): जी हां, श्रीमान जी। नहरो/रजबाहो के अन्तिम छोर पानी पहुचाने के लिए जहां आव यक व सम्भव हो उसकी गाद निकालने व आन्तरिक सफाई का कार्य उस नहर/रजबाहे के बंद होने की अवधि मे किया जाता है। चालू वित वर्श जो कि 2005–06 है, व दौरान नहरो व रजबाहो की मरम्मत करने व गाद निकालने तथा नलकूपो की मरमत के लिए 45.54 करोड रू0 के बजट का प्रावधान किया गया है जबकि वर्श 2004–05 के दौरान 27.54 करोड रू0 के बजट का प्रावधान किया गया था। आज तक नहरो/रजबाहो अनैक ाचर –1 पर पूरी सूचना संलग्न है।

कुल 15.41 करोड रू0 के खर्चे मे से 8.07 करोड रू0 गाद निकालने के कार्य पर खर्च किए गए तथा भोश रखरखाव पर खर्च किए गए है।

महान् परदर्ि ाता एवम जान भागीदारी सुनिि चत करने के लिए उपरमण्डल अधिकारी नागरिक के अधीन समितियों का गठन किया जा रहा है जो कि चैनलो की सफाई के कार्यो की देखभाल करेगी जिसमे कार्यकारी अभियन्ता सिचांई तथा सम्बन्धित क्षेत्र मे पांच गैर सरकारी सदस्य मनोनीत होगे। इस विशय मे जारी की गई हिदायते की प्रति अनैक ान–2 पर सलंग्न है।

Annexure -1

Statement showing budget/Expenditure under head 2701 lan/nonplan O&M

(Rs. In lacs)

Sr. No.	Particulars	Financial Year 2004-2005		Financial Year 2005-2006	
		Final Budget	Expenditure	Original Budget	Expenditure (up to 30-11-2005
Non Plan					
1.	WJC Mainteran e	465-00	77059	1903-91	393-38
2.	MRP Mainteanc e	239.00	305.60	650.09	239.26
3.	2701 Plan O&M	2050.00	1835.61	2000.0 0	908.50
	Total	2754.00 0	2911.35	4554.0 0	1541.14
	Say Rs. In	2754	2911	4554	1541.

	Crore				

Annexure -11

No. 1593-1663 Coord Dated 17-11-05

To

All Chif Engineers.

Irrigation Department, Haryana

Panchkula

Subject: Internal Clearance of Irrigation Channels.

It has been decided by Hon'ble Chief Minister that a Committee to be set up under each SDO (Civil) Comprising Xen/irrigation concerned and 5 non official members from the area as indicated below-

SDO	Chairman
XEN/Water Services Divn.	Members Sceretry
5 Non Official Members	
(i) Chariman Panchayat Samitit of Sub Divn. HQrs.	
	EX officio member (non official)
(ii) One Member Pachayat Samiti	
To be Co opted by SDO (Civil)	

(iii) Three Sarpanches of Sub Division
To be Co opted by SDO (Civil)

This Committee is be informed in advance about the details of the programme of clearance of irrigation channels and a certificate is to be recorded by the committee to the clearance ot the channels has been done in a satisfactory.

Sd/

Chief Engineer/coopted,

Irrigation Deparment Haryana.

Panchakula.

CC

1. The Financila Commissioner and Principal Secretary to Govt. Haryana Irrigation Department, Chandigarh for kind information please.

2. All Deputy Commissioners. Haryana for information and necessary action SDO (Civil) may asked to form a committee as indicated above for carrying out internal clearance of channels and report of the committee to be sent the office of Engineer in Chief. Irrigation Department, Haryana Sinchai Bhawan, Panchkula.

3. All Subperinteding Engineers, Water Services Circles, Hayana for information and strict compliance.

Waving of Outstanding Electricity Bills

21. Dr. Sita Ram: Will the Minister for Irrigation be pleased to state the district wise details of the small scale industries of the rural ageas which have taken the benefit of the outstanding electricity bill waiving scheme?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): यह छूट योजना लघू उधोगो पर लागू नही है।

Charges of Bhakra Canal Water

22 . Dr. Sushil Indora: Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) the per acrw rate of water being charged be the Government for supply of Bhakra Canal Water tofaremers for irrigation purpose, togetherwith the date these were received; and

(b) the details of the total amount of the aforesaid charges has been received/recoverd by the Government till date?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) भाखडा नहर का पानी जो किसानो को सिचांई के उद्दे ाय से दिया जाता है का आबियाना सरकार द्वारा 27 जुलाई 2000 को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार वसूला जाता है। आबियाना अधिसूचना होने की तिथि से वसूला जा रहा है।रबी 2003–04 की फसल का आबियाना वसूल किया जा चुका है।

(ख) भाखडा जल सेवांए परिमण्डलो से वसूल की गई रा ि ा का वितरण निम्म प्रकार से है।

वर्श	व्सूल की गई रा ि ा (करोडो रूपयो मे)
2000–01	14.39
2001–02	13.16
2002–03	18.13
2003–04	18.17
2004–05	9.60 (केवल रबी 2003–04 के लिए)

Construction of Bhakra link

24. Dr. Sita Ram: Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new Canal in the State i-e Bhakra Link Canal; if so, the time by which the said Canal is likely to be completed; and

(b) the detail of the area to be irrigated by aforesaid Canal and the amount tobe spent on its construction?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव):

(क) जी हां, श्रीमान जी। नहरी पानी के समान वितरण हेतू वि ोशकर दक्षिणी हरियाणा के लिए सरकार ने भाखडा मे लाईन हांसी ब्रांच बुटाना ब्रांच उद्दे ीय चैनल के निर्माण का निर्णय लिया है। यह कार्य वर्श 2006–07 तक पूरा होने की सम्भावना है।

(ख) भाखडा मेन लाईन हांसी ब्रांच बुटाना ब्रांच बहु उद्दे ीय सम्पर्क नहरी की परियोजना 259 करोड रू0 की लागत से स्वीकृत की जा चुकी है। इसके क्रियान्वयत के उपरान्त यह पूरे 16 जिलो अम्बाला, कुरूक्षेत्र, करनाल, कैथल, जीन्द, हिसार जिले का हांसी, उपमण्डल भिवानी, महेन्द्रगढ, रेवाड, गुडगांव, मेवात, फरीदाबाद, झज्जर, रोहतक, सोनीपत व पानीपत इत्यादि को लाभन्वित करेगा।

घोशणा

(क) अध्यक्ष द्वारा

चेयरपर्सनज के नामों की सूची

Mr. Speaker: Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procdure and Conduct of Buinsness in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the panel of Chariperson-

1. Dr. Raghubir Singh Kadian, MLA

2. Shri Anand Singh Dangi, MLA

3. Shri Balbir Pal Shah, MLA

4. Shri Balwan Singh Sadhura, MLA

अनुपस्थिति संबधी सूचना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I haver received a letter from

Shri Om Parksah Chautala, MLA which is as under

"Due to mey illness. I am unable to attend the Session of Haryana Vidhan Sabha Commencing from 14th December, 2005. Therefore, I may be permitted accordingly."

Question is-

That permission for leave of absence for the current Session of Haryana Vidhan Sabha be granted

Voices: Yes, yes

The motion was carried

(ख) सचिव द्वारा

राश्ट्रपति/रामपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो संबधी

Mr. Speaker: Now, the Secretary will make the announcement.

श्री सचिवः मान्यवर, मै उन विधेयको को द र्ाने वाला वितरण जो हरियाणा विधान ाा ने अपने सितम्बर, 2004 तथा जून, 2005 मे हुए सत्रो मे पारित किए थे तथा जिन पर

राश्ट्रपति/राज्यपाल महोदय मे अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हू।

September Session, 2004.

"The Kurukshetra Shrine Bill, 2004.

December Session, 2004.

The Haryana Health Care Workers Bill, 2004

June Session, 2005

1. The Haryana State Industrial Security Force (Reped) Bill, 2005.

2. The Haryana Public Service Commission (Additional Fuctions) Amendment Bill, 2005.

3. The Haryana Fiscal Responsibility and Budget Management Bill, 2005.

4. The Haryana Muncipal (Amendment) Bill, 2005.

5. The Haryana Muncipal Corporatin (Amendment) Bill, 2005.

6. The Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 2005..

7. The Haryana Vilue Added Tax (Amendment) Bill, 2005.

8.. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pesnion of Members) Amendment Bill, 2005.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे । करना

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of the various Business fixed by the Business Advisory Committee.

The Commitee meet at 11-00 AM. on Wednesday, the 14th December, 2005 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

"The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in session, shall meet on Monday at 2.00 P.M and adjourn at 6.30 P.M. and on Tuesday, Wednesday, and Friday will meet at 9.30 A.M and adjourn at adjourn at 1.30 P.M without question being put.

However, on Wednesday, the 14th December, 2005 the Assmebly Shall meet at 2-00 P.M and adjorned at 6-30 P.M without question being put.

The Committee also recommends that the business on Monday, 19th December, 2005, the Assembly shall meet at 2.00 P.M and adjorn after the conclusion of the business entered in the list of business for the day.

The Committee after some discussion also recommends that the business on 14th to 15h to 19th September, 2005, be transacted by the Sabha as follows:-

Wednesday, The 14th December, 2005 (2-00 P.M)	1	Obituary Referecnes
	2	Question Hour.
	3.	Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	5.	Legislative Business
Thursday, The 15th, December 2005 (9-30 A.M)	1	Question Hour.
	2	General Discussion on Budget Estimates for the 2002-2003
Tuesday, 14th June, 2005 (2-00 P.M)	1.	Question Hour.
	2.	Papers to be laid, if any

	3.	Resumption of Gereral discussion on Budget Estmates for the year 2005-2006
Wednesday, the 15th June, 2005 (2-00 P.M)	2.	Question Hour.
	2.	Resumption of Gereral discussion on Budget Estmates for the year 2005-2006 and reply by the Finacne Minister thereon.
	3.	Discussion and Votingon Demands for Grants on Budget Estimates for the year 2005-2006
Thursday, the 16th June, 2005 (2-00 P.M)	1.	Question Hour.
	2.	Motion uder rule 121for suspension of Rule 30

	3.	Official Resoultution
Friday, the 16th December, 2005	1.	No Sitting
Saturday, The 17th December, 2005	1.	Holiday.
Sunday, The 18th December, 2005	1.	Holiday.
Monday, The 19th December, 2005 (2.00 P.M)	1.	Question Hour.
	2.	Motion uder rule 15 regarding Non stop sitting
	3	Motion uder rule 16 adjornment of the Sabha sine die
	4.	Papers to be laid, if any
	5	Legilative Business
	6.	Any other Business."

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the

recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) Sir, I beg to move-

That the House agress with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

Mr. Speker: Motion moved-

That the House agress with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

Dr. Sushil Indora: Speaker sir, I have requested you that there is provision of Zero Hour. I want to raise some issues in the Zero Hour. This is the duty of the opposition members; they should raise some issues in the intereset of the public. स्पीकर साहब, मैने बी0ए9सी0 की रिपोर्ट पढी है। आपने कल का नान आफि ियल डे मे कन्वर्ट कर दिया है। मै आपसे रिक्वस्ट करना चाहूंगा कि आप सै ान के दिन बढाये क्योंकि हमारे पास बोलने के लिए बहुत मुद्दे है। हमारे पास एस0वाई0एस0 का मुद्दा है और सचिन तेन्दुलकर ने जो क्रिकेट मे भाानदार रिकार्ड कायम किया है उस पर भी चर्चा होनी चाहिए, जिन सांसदो ने घोटला किया था उनके बारे मे डिस्क ान होनी चाहिए। स्पीकर साहब, इतना थोडा समय सदन के लिए नही रखना चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह कहा था कि हम हाउस को पूरे समय तक चलावेगे और हर सदस्य को बोलने का

मौका दिया जायेगा। स्पीकर साहब, एस0वाई0एस0 का मुद्दा है, एजूके ान का मुद्दा है और लां एण्ड आर्डर की बात है और बेरोजगारी का मुद्दा है। हम इन मुद्दो पर बोलना चाहते है (ाोर)

Mr. Speker: That is not the issue Indora Ji, sit down pleas. Hon;ble Parlianientary Affairs Minister wanted to say something.

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मै इन्दौरा जी और माननीय सदन को बताना चाहूंगा कि जिन माननीय सदस्यो ने जो भी मुद्दे दिए है हमने उन सभी कागजो को एग्जामिन किया है लेकिन विपक्ष ने एक भी मौ ान हाउस की कन्सीड्रै ान के लिए नही रखा। अगर विपक्ष एस0वाई0एल0 के प्रति इतना ही चिन्तित होता और किसी मुद्दे पर चिन्तित थे तो इन्होने रूल्ज आफ प्रोसीजन एण्ड कन्डैक्ट आफ विजनैस मे प्रावधान है आप उसके तहत नोटिस दीजिए। इन्दौरा साहब अपने नेता की तरह लिखने पढने से महरूम नही है। हमे पूरा वि वास है कि आपने विधान सभा सक्रेट्रिएट को कोई नोटिस कोई कागज किसी मुद्दे के बारे मे दिया ही नही है। अगर आपने कोई कागज दिया ही नही तो हम उसको कन्सीडर कैसे करेगे। (विघ्न)

Mr. Speker: Mr. Indora, please listen (Interruptions) Would you please Listen? (Interruptions) Indora Ji, you have given a Calling Attention Motion regarding shrotge of supply of Power. Mr. Indora, please listen

(Interruptions) would you please listen (Interruptions) Nothing to be recorded.

Mr. Speker: Question is-

That this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Adviosry Committee.

The motion was carried.

वाक आउट

इस समय माननीय सदस्य डा0 सु ील इन्दौरा सहित उनकी पार्टी के अन्य सदन मे उपस्थित सदन की वैल मे आ गये।

Mr. Speker: Mr. Indora go to your seat. I am admitting what you are saying आप बात तो करने नही देते। (Interruptions) Listen Mr. Indora. आपने यह बात क्रिएट करनी है कि हमने हाउस मे भाोर मचाया ताकि लोग सुबह अखबरो मे पढ ले। . I appreciate it. (Interruptions) लेकिन मेरी वितनी सुनो जो आपने काल अटै ांन मो ान दिया है regarding shortage of supply of power. I have admitted it (Interruptions) What does you want? Nothing more then this. सिर्फ भाोर मचाने की बात नही बनेगी।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, पिछली सरकार मे यह रवायत थी कि जब भी हम कोई मो ान दिया करते थे उस समय की सरकार उसको उसी समय रिजैक्ट कर

दिया करती है अब इनकी यह एतराज है कि इसका मो ान एडमिट क्यों कर लिया। (ाोर)

Mr. Speker: Mr. Indora, please listen. I have admitted your Calling Attention Motion. It will come (Interruptions) आप अपनी जगह पर जाकर बात करो। आप यहां हाउस की बैल मे खडे होकर बोल रहे है मै यहां से आपकी बात सुनने को तैयार हू। I am not going to hear you from here. Go to your seat first. I will not hear you. Do not create the scene. You are not going to gain anything (Interruptions) No. I am not going to hear you. Go, go.

डा0 सु ीला इन्दौराः स्पीकर साहब, आप हमारी बात नही सुन रहे है इसलिए हमारी पार्टी के सभी सदन मे उपस्थिति सदस्य सदन से वाक आउट करते है।

इस समय ने ानल लोकदल पार्टी के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।

सदन की मेज पर रखे गए/पुन रखे गए कागज पत्र

Mr. Speker: Now, a Minister will lay/re-lay the papers on the Table of the House.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, I beg to lay on the Table.

The Haryana Department and Regulation of Urban Areas (Amendement and Validation) Ordinance, 2005, (Haryana Ordinance No. 4 of 2005

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, I beg to lay on the Table.

The Town and Country Planning Department Notification No. DS-II-05/4737, dated the 23rd May, 2005, regarding the Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Rules, 2005, as required under section 24(3) of the Haryana Development and Regulation of Urban Areas Act, 1975.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 37/Const/Art 320/2004, dated the 14th December 2004, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Amendment Regarding 2004, as required under Article 320(5) of the Contitution of India.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 38/Const/Art 320/2004, dated the 14th December 2004, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Amendment Regarding 2004, as required under Article 320(5) of the Contitution of India.

The Parliamentary Affairs Department Notifiacation No. S.O 59/H.A 9/1979/S. 8/2005, dated the 1st August 2005, regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendement Rules, 2005, as required under section (8)3 of Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979.

The Excise and Taxation Deparment Notification No. S.O 83/H.A 6/2003/S. 60/2005, dated the 28th October, 2005,

regarding the Haryana Value Added Tax (Second Amendment) Rules, 2005, as required under section (60)4 of Haryana Value Added Tax Act, 2003.

The Excise and Taxation Deparment Notification No. S.O 91/H.A 6/2003/S. 60/2005, dated the 29th November, 2005, regarding the Haryana Value Added Tax (Fourth Amendment) Rules, 2005, as required under section (60)4 of Haryana Value Added Tax Act, 2003.

The Town and Country Planning Department Notification No. DS-II-05/4737, dated the 13th September, 2005, regarding the Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Second Amendment) Rules, 2005, as required under section 24(3) of the Haryana Development and Regulation of Urban Areas Act, 1975.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 3/Const/Art 320/2004, dated the 15th June, 2005, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Amendment Regarding 2004, as required under Article 320(5) of the Contitution of India.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 5/Const/Art 320/2004, dated the 15th June, 2005, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Amendment Regarding 2004, as required under Article 320(5) of the Contitution of India.

The Personnel Department Notification No. G.S.R 18/Const/Art 320/2004, dated the 29th November, 2005, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation

of Functions) Amendment Regarding 2004, as required under Article 320(5) of the Contitution of India.

The Grand Utilization Certification and Audit Report of Chaudhary Chara Singh Haryana Agricultural University Hisar for the year 2001-2002, required under section 34(5) of the Haryana and Punjab Agricultrual University Act, 1970.

The Annual Statement of Acconts of the Housing Board, Haryana, for the year 2002-2003, as required under Section 19-A (3) of the Comptroller and Auditor Gerneral's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971.

The Annual Statement of Acconts of the Housing Board, Haryana, for the year 2003-2004, as required under Section 19-A (3) of the Comptroller and Auditor Gerneral's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971.

The Annual Accounts of the Haryana Khadi and Gramodyog Board for the year 2001-2002, as required under Section 19-A (3) of the Comptroller and Auditor Gerneral's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971.

The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 2004-2005 in pursusnace of the provisions of Clsuse (2) of Article 151 of the Consititution of India.

The Appropriation Account of the Government of Hayana for the year 2004-2005 in pursuance of the provisions of Cluase (2) of Article 151 of the Consititution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of Indai for the year ended 31st March,2005 (Revenue Receipts) of the Government

of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Consititution of India.

विधान कार्य

दि कुरूक्षेत्र हाऊसिंग बोर्ड (अमैडमैंट) बिल, 2005

Mr. Speker: Now, a Minister will introduce the Haryana Houseing/Board (Amedment) Bill, 2005 and will also move the motion for iits consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, I beg to introduce the Haryana Houseing/Board (Amedment) Bill, 2005.

Sir, also beg to move-

That the the Haryana Houseing/Board (Amedment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the the Haryana Houseing/Board (Amedment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the the Haryana Houseing/Board (Amedment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried..

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

दि कुरूक्षेत्र भाराइन (रिपील) बिल, 2005

Mr. Speker: Now, a Minister will introduct the Kurukshetra Shrine (Repeal) Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Speaker Sir, I beg to introduce the Kurukshetra Shrine (Repeal) Bill, 2005.

Sir, I beg to move-

That the Kurukshetra Shrine (Repeal) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the Kurukshetra Shrine (Repeal) Bill be taken into consideration at once.

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदंसदीय मंत्री जो कुरूक्षेत्र भाराइन रिपील बिल लेकर आए है, मै इसके बारे मे एक बात कहना चाहता हू।इस बिल के उद्दे ाय एमव कारणो के विवरण मे लिखा है कि कुरूक्षेत्र के साधुओ, संतो तथा धार्मिक ंसस्थाओ ने कुरूक्षेत्र पूजा स्थल अधिनियम, 2004 को लागू करने के विरूद्ध प्रतिवेदन दिए है। विभिन्न साधुओ, सन्तो, तथा धार्मिक संस्थाओ का आपतियों एवम प्रतिवेदनो को ध्यान मे रखते हुए सरकार ने कुरूक्षेत्र पूजा स्थल अधिनियम 2004 को निरस्त करने का निर्णय लिया है। यानि कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय को साधु संतो काएक रिप्रजैटि ांन मिला। इस दे ा मे साधु संतो का बहुत मान सम्मान है और हमे साधु संतो का मान सम्मान करना भी चाहिए लेकिन सिर्फ इस बात के लिए कि उन्हे साधु संतो का एक प्रतिवेदन मिला और माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने कहा ठीक है हम इसको निरस्त करते है। कुछ काम ऐसे होते है जो सरकार की देख रेख मे हो तो ठीक रता है। जिस तरह से कांग्रेस पार्टी के नेता स्वंय कहते है कि हम पारद र्ी सरकार लाएं है, भय, भ्रश्टाचार मुक्त भाासन देना चाहते है तो मै कहना चाहूंगा कि पारद र्िता बनाए रखने की बात है तो इनको इस बिल के बारे मे गहरार्ठ से सोचना चाहिए था। ऐसे मामले मे दूसरे किसी ट्रस्ट या आम लोगो की जिम्मेदारी नही होती है जितनी सरकार की जिम्मेदारी होती है सरकार इस बात को देखती है कि उसका डिवैल्पमैंट और मैनेजमैंट कैसे हो सकता है कुरूक्षेत्र का महत्व केवल हरियाणा प्रदे ा के लिए ही नही है बल्कि यह एक

धार्मिक स्थल है और इसका महत्व पूरे दे ा मे है दूर दूर से टूरिस्ट यहां पर आते है जिस से इस स्थल मे उनकी धार्मिक भावनाओ को बढावा मिलता है। अध्यक्ष महोदय, हमे इससे कोई फर्क नही पडता है लेकिन सरकार से मेरा एक वि ोश निवेदन है कि जिस प्रकार सरकार ने माता मन्सा देवी के मन्दिर की तरफ वि ोश ध्याना दे कर वहां का प्रबन्ध अपने हाथ मे लिया था और आज यहा पर जब जाते है तो उसके डिवैल्पमैट, प्रबन्धन तथा रख रखाव को देखते हुए सभी लोग प्रभावित होते है कुछ वैसा ही प्रबन्ध वहां पर भी होना चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री महोदय जब सांसद थे वे माता विश्णो देवी गए थे उस समय वहां प्रबन्ध प्राइवेट हाथो मे था और उन्हे वहा के हालात के बारे मे पूरा ज्ञान है लेकिन जब आज वहां पर जाते है तो वहां के डिवैल्पमैट और प्रबन्धन को देख कर कितना अच्छा लगता है अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से गुडगांव भीतला माता का मन्दिर है जहां पर एक वि ोश रस्म होती है लोग वहा पर बडी संख्या मे जाते है। पहले वहां पर बहुत बुरी हालत होती थी। मिसमैनेजमैंट के कारण वहां पर कोई चीज नही मिलती थी और लोग धक्के खाते रहते थे। आज उसका डिवैल्पमैंट हुआ है और वहां का प्रबन्धन तथा रख रखाव इतना अच्छाा है और उस मन्दिर की भव्यता को देखते ही बनती है अध्यक्ष महोदय, सरकार से मेरा वि ोश अनुरोध है कि सरकार इस बात को दोबारा से देख ले और हाउस की एक कमेटी बना दीजिए। इस कमेटी के द्वारा सारी चीजो की पूरी तरह से जांच कर ली जाए। हाउस की कमेटी इस बात को देख ले कि

वाकेय ही जजो रि प्रैजैटैन्ा ान्ज दी गई है वह सही है और किस हद तक वायबल है छानबीन करने के बाद यह हाउस कमेटी सिम्पेथैटिकली तथा गहराई और अध्ययन करने के बाद जो रिपोर्ट देगी सरकार उसके अनुसार कार्यवाही कर ले तो ज्यादा उचित होगा। यह जरूरी नही है कि यह निवे ा आज ही किया जाए, इसमे निवे ा करने की इतनी जल्दी क्या है। हम यह सोचते कि पूरे हरियाणा प्रदे ा मे कुरूक्षेत्र का एक वि ोश नाम और स्थान है, उसके धार्मिक स्थालो का अपना नाम है उन धार्मिक स्थलो की इज्जत सारे संसार मे होतीहै उसका व मान सम्मान बना रहे इसलिए हाउस की कमेटी बना कर इस पर पुन विचार कर ले और हाउस की कमेटी की जो रिक्मैडें ांज हो उस पर कार्यवाही कर ली जाए।

श्री रमे ा कुमार गुप्ता (थानेसर): अध्यक्ष महोदय, यहां पर जो बिल कानून बनाने के लिए लाया गया है यह बिल जन भावनाओ के विपरीत है। माननीय मुख्यमंत्री जी जब कुरूक्षेत्र मे आए थे तो उस समय कई रि प्रैजैटें ानज दी गई थी जिनमे से कुछ रि प्रैजैटें ानज साधुओ की और से दी गई थी और आम नागरिको की तरफ से अलग रि प्रैजैटें ानज दी गई थी और आम नागरिक यह चाहते थे कि इन मंन्दिरो का अधिग्रहण नही किया जाना चाहिए। यहां पर जो मन्दिर है उनमे कोई भी मन्दिर ऐसा नही है जहां पर बाहर से भीड इकट्टी हो रही हो। ये सभी मन्दिर कुरूक्षेत्र के आस पास के लोगो तक ही सीमित है और

उनके बारे मे सरकार द्वारा लिया गया फैसला सरासर गलत था और जन भावनाओ के विपरित है इसलिए इन मन्दिरो का अधिग्रहण नही होनी चाहिए।

परिवहन मंत्री (श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मै माननीय श्री इन्दौरा जी तथा गुप्ता जी को बताना चाहता हू कि किसी भी धर्म से सम्बन्धित धार्मिक स्थलों को लेकर चाहे वे धार्मिक स्थल किसी भी धर्म के हो उनके सही संचालन मे कांग्रेस पार्टी के स्तर पर हमे ाा पहल हुई है। अध्यक्ष महोदय, मै इनका धन्यवाद करना चाहूंगा कि इन्होने याद दिलाया है कि माता मनसा देवी कम्पलैक्स तथा कुरूक्षेत्र डिवैल्पमैंट बोर्ड दोनो ही इस प्रान्त को कांग्रेस पार्टी की सरकार की देन है जिसकी वजह से इन स्थलों का सुसंचालन हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, किसी नीयत के अन्तर्गत ही इनका सरकार को कुरूक्षेत्र भाराईन एक्ट, 2004 लेकर आई थी जिसमे केवल कुरूक्षेत्र की ही बात नही थी यह प्रावधान किया गया था कि कुरूक्षेत्र मे 48 कोस के अन्दर जो मन्दिर है उनके सरकारीकरण की बात थी। माननीय इन्दौरा साहब ने भाायद उस कानून को पढा नही है। अध्यक्ष महोदय, इस कानून को लेकर काफी विवाद उठा था जिसमे अध्यक्ष महोदय, आपका क्षेत्र पेहवा था उसमे जितने भी मन्दीर थे उनमे साधु सन्तो पुजारियों तथा आम आदमी की छोटे छोटे मन्दिरों मे आस्थाथी और जिनका संचालन और पूजा अर्चना वे स्वंय किया करते थे उनका सरकारीकरण कर दिया गया था कि एक वर्श तक वह

कानून बना रहा लेकिन सरकार उसको लागू नही कर पाई। इस कानून को इनकी सरकार इसलिए लागू नही कर पाई क्योंकि इसको लेकर जन भावनाओ से व्यापक आक्रो ा था। सरकार के इस कदम के खिलाफ लोगो के अन्दर गुस्सा और आक्रो ा था इसलिए सरकार इस कानून को अमली जामा नही पहना सकी। वर्तमान सरकार के गठन के बाद अलग अलग सदस्यों ने इस बारे मे माननीय मुख्यमंत्री जी से बात की। साधु संतो और आम लोग भी इस बात को लेकर माननीय मुख्यमंत्री के पास आए।

16.00 बजे

उन्होने कहा कि यह कानून न न्यायसंगत है और न ही सही है। इससे उनको अपने अपने धर्म को मानने मे और उनके रीतिरिवाजो मे बाधा आएगी। यह सोचकर ही सरकार कानून को लेकर आई है, वह बिल लाई है और मेरा आपके माध्यम से ही इस सदन से अनुरोध्पा है कि इस बिल को पास किया जाए। (विघ्न)

Mr. Speker: Question is-

That the Kurukshetra Shrine (Repeal) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clasue.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried..

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मैने मंत्री जी को सुझाव दिए थे उस बारे मे मंत्री जी ने कोई जवाब नही दिया है और न ही उनको माना है। हमने इनसे कहा था कि आपको इतनी जल्दी क्या है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी इन्दौरा जी जो कहा है इस बारे मे मै इनको यह बताना चाहूंगा कि हम यह बिल किसी एक ज्ञापन पर ही नही लाए है आपकी जब सरकार थी उस वक्त आप अधिग्रहण का बिल लाए थे और हमने उस वक्त भी अपोजि ान मे होते हुए इसका विरोध किया था। हमने इस बारे मे लोगो से वायदा किया था और हमने उस वायदे को निभाया है।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed

The motion was carried.

दि हरियाणा पचायंती राज (अमैडमैट) बिल, 2005

Mr. Speaker: Now. a Minister will introduce the Haryana Pachayati Raj (Amendement) Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Pachayati Raj (Amendement) Bill, 2005

Sir, I also bet to move-

That Haryana Pachayati Raj (Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Haryana Pachayati Raj (Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

डा0 सु ीला इन्दौरा(एस0सी0 ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से संसदीय कार्य मंत्री जी कांग्रेस पार्टी की व्याख्यान करते है तो कई बार दिल मे एक टीस सी उठती है। कार्ग्रेस के राज मे कितने घोटाले, अत्याचार, बलात्कार और हत्यांए हुई है।

श्री अध्यक्ष: इन्दौरा जी, मै भी कल टी0वी0 देख रहा था और घोटालोा का जो हाल हुआ है, आप इस बात को छोड दीजिए। Please come on the Bill.

डा0 सु ीला इन्दौरा(एस0सी0 ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, मै आपसे विनम्र अनुरोध करना चाहता हू कि आप हमारे संरक्षक है। जब उनकी तरफ से हमारे प्रति कोई कमैन्टस आते है तब भी आपको हमारा ध्यान रखना चाहिए और हमे भी उनको कुछ कहने का मौका देना चाहिए। (विघ्न)

वित मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, हम सदन मे आज चार बिल अमैडमैंट के लिए लाए है। अध्यक्ष महोदय, मुझे उम्मीद है की अपोजी ान को एक एक सदस्य इसके बारे मे बोलेगा। और अपने विचार सदन मे रखेगा। इससे लोगो को पता चलेगा कि कितने बढिया ये बोलते है। (विघ्न)

डा0 सु ीला इन्दौरा(एस0सी0 ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, वितमंत्री जी वक्त के तकाजे का फायदा उठाने की कोि ा ा कर रहे है। (विघ्न) मै इस बिल के विरोध मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। हमने माननीय मुख्यमंत्री जी से कहा था और वित मंत्री जी से पूछा था कि आपने जो एक रोजगार सम्मेलन किया था और उसमे आपने लोगो को रोजगार देने का वायदा किया था । क्या आपने वायदा पूरा किया है? (विघ्न)

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिहं यादव): अध्यक्ष महोदय, ये अमैडमैट क्या लाना चाहते है इनको इस बारे मे बताना चाहिए।

डा0 सु ीला इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, माननीय वित मंत्री जी यहां पर बैठे है। इन्होने एक बात अपने रोजगार सम्मेलन मे कही थी। अभी जैसे माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने कुरूक्षेत्र के भाहरी लोगो से वायदा किया था इसी कारण आज इन्होने उस वायदे को निभाया है तो हमारे वित मंत्री जी ने भी हरियाणा प्रदे ा के लोगो से रोजगार रैली मे एक वायदा किया था कि हम रोजगार देगे। लेकिन आज जो पंचायत बिल यहां पर

लाया जा रहा है इससे तो यह रोजगार छिनने का काम कर रहे है हमारी सरकार ने तो ग्राम के एक आदमी को रोजगार देने का काम किया था। अगर यह ओवर ऐज हो जाए तो भी उसको रोजगार दिया जाता था। इससे सरकार को भी बहुत फायदा था क्योंकि इससे एक लिंक चैनल बन गया था। वह आदमी गांव के लोगो की भावना को, उनकी बातो को अच्छी तरह समझता था क्योंकि वह घर घर मे जाता था और वह समाज मे हर वर्ग के लोगो मे भली भाति परिचित होता था।

ि ाक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना): सर, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, इन्होने जिला परिशद् के तहत टीचर्ज रखे लेकिन तनख्वाह नही मिली। इन्होने ग्राम सहायक रखे लेकिन उनको भी तनख्वाह नही मिली तो बिना तनख्वाह के इन्होन रोजगार दिया था जबकि हम तो तनख्वाह देगे। (विघ्न)

डा0 सु ाीला इन्दौरा(एस0सी0 ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, ये अपनी पार्टी के जिम्मेवार डिप्टी लीडर है लेकिन ये एक ऐसा ब्यान दे रहे है जो बिल्कुल असत्य है। इन्होने कहा कि इन्होने रोजगार दिया था। अध्यक्ष महोदय, ये ि ाक्षा मंत्री की स्टेटमैंट को चेलेंज कर रहे है और कह रहे है कि इन्होने उनको पूरा पैसा दिया था, अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे मे फैक्चुअल पेाजी ान बताना चाहूंगा। ये इस बारे मे बिल्कुल असत्य बोल रहे है। केवल 1884 बच्चे थे जिनको इनकी सरकार ने मात्र तीन हजार रूपये देना था लेकिन 255 लाख रूपये उकना बकाया है,

इसलिए असत्य बोल रहे है, सरासर असत्य इस सदन के अन्दर बोल रहे है और सदन को बरगला रहे है।

Mr. Speaker: Mr. Surjewala Ji, you will get the opportunity to reply all this.

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी समझदार आदमी है इनको पता होना चाहिए कि जब कोई बोल रहा हो तो उसको बीच मे रोकना नही चाहिए और टीका टिप्पणी नही करनी चाहिए। ऐसी बाते किसी जनसभा मे तो अच्छी लगती है लेकिन यहां पर नही। यह सदन की मर्यादा का ध्यान रखे। अध्यक्ष महोदय, मैने तो आपसे खुद कहा है कि आपकी ही इस बारे मे जिम्मेवार बनती है।

Mr. Speaker: Mr. Indora Ji, would you please proceed? अगर आप नही बोलते है तो मै दूसरे आदमी को बोलने के लिए कांल कर देता हू।

डा0 सु ीला इन्दौरा(एस0सी0 ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, ये मुझे बोलने नही दे रहे है। मेरा इस कारण लिंक कट जाता है मै यह कह रहा था कि हमने गांव के एक ऐसे आदमी को रोजगार दिया जोकि सरकार के लिए फायदेमंद था क्योंकि यह सरकार को सही रिपोर्ट देता, वह थाने और तहसील को भी सही रिपेार्ट देता। ऐसा भी नही है कि वह अनपढ आदमी था वह तो पढा लिखा आदमी था। हमारे ऊपर पिछली बार भी यह लांछन लगाया गया था कि हमने तीस हजार लोगो को नौकरियों से हटा

दिया था यह आन रिकार्ड की बात है कि कोई 30 हजार की बात करता था, कोई 35 हजार की बात करता था और कुछ और बाते करता था। लेनिक मै दावे के साथ कहता हू कि जहां तक मेरी जानकारी है कि हमारी सरकार ने सरकारी तौर पर कोई भी आदमी नही हटाया था। यह बात आज एक बार फिर सिद्ध हो गयी है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने पिछली बार जो हरियाणा औधोगिक सुरक्षा बल के लोग निकाले थे तो उस समय इन्होनै कहा था कि जब भी पुलिस मे भर्ती होगी तो सरकार इनको अडजैस्ट करेगी लेकिन आज तक भी एक आदमी अडजैस्ट नही हो पाया है। अगर ऐसा हुआ हो तो बतांए। मै आपके माध्यम से सदन के नेता से कहनाचाहूंगा कि मटका चौक पर जाकर देखो, यह कल आप दिल्ली मे होते तो वहां देखते है। (ाोर एवम व्यवधान).....

Mr. Speaker: It is not be recorded. I will not permit it. आप के पास बोलने के लिए मैटर नही है तो आपं बंद करो। (ाोर एवम व्यवधान).....

डा0 सु ाीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात तो सुने। (ाोर एवम व्यवधान).....

Mr. Speaker: I will not allow it. Now next member will speak. (Interruptions)

(इस समय इंडियन नै ानल लोकदल के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य सदन की वैल से आ गए और जोर जोर से नारे लगाने लगे।)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी अपनी सीटो पर जाकर बैठिए। मैने आपको बोलने की अनुमति नही दी है। (ाोर एवम व्यवधान)..... आपने बहुत वायदे किए, बहुत वायदे पूरे किये और लोगो ने भी बहुत पूरे कर दिए। Go to your seats. जब आप उधर थे तब भी नही बोलने देते थे और अब आप इधर हो तब भी वही हाल है। (ाोर एवम विघ्न) पूरी कार्यवाही हो गई, सौ फिसदी हो गई, बचा ही कुछ नही है। (ाोर एवम विघ्न) Mr Indora, This is not the way यह कोई तरीका है, मै पोलाइटली बात कर रहा हू। ठीक ढंग से बात कर रहा हू तो आप ऐसे कर रहे है, है। (ाोर एवम विघ्न) आप क्या बात करते है, मखौल बनाया है, और क्या है । (ाोर एवम विघ्न) आप अपनी अपनी सीटो पर वापस जाइए।

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, जब सरकार इस बिल को वापस नही लेगी तब तक नही जाएंगे। (ाोर एवम विघ्न)

Mr. Speaker: Nothing to be recorded, This is very very unfortunate. Don't try to create scene (Interruptions)

श्री एस0एस0 सुरेजवाला (कैथल): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा पंचायती राज अमैडमैंट बिल पर बोलने के लिए खडा हुआ हू। मै आप से निवेदन करता हू कि जो इनेलो की पिछली सरकार थी उस ग्राम सहायको के नाम से ग्राम भक्षक इनकी पार्टी के जो अपराधी कार्यकर्ता थ इन्होने वह लोग भर्ती किए। (ाोर एवम विघ्न)

डा0 सु ीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय,..... (ाोर एवम विघ्न)

Mr. Speaker: If you want to sit then sit down, if you want to go then you can go. (Interruptions) Nothing to be recorded. Now, Shri Shamsher Singh Surjewala may speak.

श्री एस0एस0 सुरेजवाला (कैथल): अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने ग्राम पचायंतो के ऊपर खामखाह का एक नायायज बर्डन डाला। मै सरकार को बधाई देता हू कि सरकार ने इन पोस्टो को खत्म किया है और सरकार ने ग्राम पचांयतो को उस बर्डन से उभरने का मौका दिया है। मै सरकार से यह निवेदन करूगां कि ग्राम सचिव की क्वालिफिके ान कम से कम बी0एड0 या बी0एस0सी0 होनी चाहिए। स्पीकर साहब, मै सरकार से दरखास्त करूंगा कि ग्रामीण सचिव की क्वालिफिके ान को बढाकर कम से कम बी0ए0 या बी0एस0सी0 करना चाहिए। वर्तमान एक्ट मे जो ग्रामीण सचिव लगाए थे सरकार ने उनके लिएकोई क्वालिफिके ान निर्धारित नही की थी और अनपढ लोगो को ग्रामीण सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था। वे पंचायत को कोई गाइड नही कर सकते थे। स्पीकर साहब, मै सरकार से यह भी दरखास्त करना चाहता हू कि ग्राम पचायंतो की प्रोपर्टी जिसमे भाामलता लैण्ड, रास्ते, चौक, चौराहे जोहड, कुंए और दूसरी पब्लिक इस्तेमाल की जमीन है उनके नक ो बनाने चाहिए क्योंकि बे ाुमार मुकदमे आज पंचायत और व्यक्तियों के खिलाफ चल रहे

है क्योंकि इस समय पंचायत की जो प्रापर्टी है उनके नक ो मौजूद नही है। (विघ्न)

Mr. Speaker: Mr. Sita Ram, please listen to me, आप जो कह रहे है वह बात प्रेस वाले लिख लेगे।

श्री एस0एस0 सुरेजवालाः अध्यक्ष महोदय, क्योकि इस समय पंचायतो के पास कोई अख्तियार नही है। अफसर ाही पंचायती राज को पंगू बनाये हुए है। इसलिए सरकार को पंचायतो को ज्यादा अधिकार देने चाहिए। पंचायत को स्वायत बनाना चाहिए ताकि रीयल सैंस मे प्रजातंत्र का एक नमूना पे ा हो सके। (विघ्न एवम भाोर)

Mr. Speaker: This is unfortunate (interruptions) I am not going to expel you today. You continue shouting. ये लोग देखेगें कि आप क्या कर रहे है। I am not going to expel you toady. You continue shouting. ये लोग देखेगें कि आप क्या कर रहे है।

श्री एस0एस0 सुरेजवालाः अध्यक्ष महोदय, सिवाय भाामलता जमीन और चकौता के पंचायत के पास कोई आमदनी नही है। जिसका नतीजा यह है कि पंचायत सरकार की ग्रान्ट पर निर्भर करती है इसलिए यह उपाय करने चाहिए कि पंचायत के लिए नई किस्म की आमदनी जरनेट करे ताकि पंचायत अपने पावों पर खडी होकर गावो की तरक्की के काम कर कसे। मै

इतना कहकर अपनी बात समाप्त करता हू। आपने मुझे बोलने का समय दिया। इसलिए आपको मै धन्यवाद करता हू और आपसे प्रार्थना करता हू कि इस बिल को पास किया जाये। (विघ्न एवम भाोर)

वाक आउट

डा0 सु गीला इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात नही सुन रहे है। इसलिए इस सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय इंडियन नै ानल लोकदल के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

दि हरियाणा पचायंती राज (अमैडमैट) बिल, 2005 (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Question is-

That Haryana Pachayati Raj (Amendement) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clasue.

Clause-2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried..

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

श्री रण्दीप सिंह सुरेजवालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन के नोटिस मे एक महत्वपूर्ण तथ्य लाना चाहता हू माननीय विपक्ष के साथी सदन से वाक आउट करके गये है। पिछली सरकार ने 2725 ग्रामीणप विकास सकायको की भर्ती मनमाने ढंग से और बदनीयति से की थी। जिसका नजारा पूरे हरियाणा ने देखा। वे केवल एक वि ोश पार्टी के कार्यकर्ता थे। उस समय वि ोश समिति का तहसील लेवल पर गठन करके ये नियुक्तियों की गई थी और इन मे से केवल 1884 ग्रामीण सविचो ने ही ज्वायन किया था जबकि 841 ने ज्वायन करने से मना कर दिया था। इन ग्रामीण सचिवो को हर महीने 3000 रूपये प्रतिमाह की रा ि ा आनरेरियम के रूप मे देने का उस समय की सरकार ने फैसला किया था। आज विपक्ष के भाई बेरोजगारो के बारे मे दुआई दे रहे है। लेकिन रिकार्ड पर यह है कि उन ग्रामीण विकास सहायको को 255 लाख रूपये भते के रूप मे देना था लेकिन उस समय की लोकदल की सरकार न वह नही दिया। वह आज तक बकाया है और वे ग्रामीण विकास सहायक इस बात को लेकन हाई कोर्ट मे गये। आज माननीय मुख्यमत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा के नेतृत्व की सरकार ने फैसला किया है कि सरकार उनके भते की एक एक आना और पाई उनको देगी और यह 255 लाख रूपये की

रा ि ा उन ग्रामीण सचिवो को सरकार ने देने की उदारदिली दिखाई है। पंचायत सैक्ट्ररी का जो दफतर था उसको पंगु बनाने का सोचा समझा ांडयत्र था, आज हम उसको निरस्त कर रह है, ग्राम पंचायत के सहायक पद को खत्म कर दिया जाएगा। पंचायत सैक्ट्ररी जो थे जिनका डिमिन ान कांडर बना दिया गया था वे गांव की तरक्की मे काम करते रहेगे। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से पूरे सदन से दरखास्त करता हू कि इस कानून को पारित कर दिया जाए।

श्री नरे ा मालिक (हसनपुर): अध्यक्ष महोदय, माननीय वित मंत्री ने सही कहा है कि पिछली सरकार ने केवल पंचायत को पंगु बनाने के लिए वह कानून बनाया था, कुछ एजैट बना दिए थे, जब गांव की इलैक्टिड बोडी है, पंचायत है, उसके साथ सैक्ट्ररी पहले से ही सरकार ने दिए हुए थे। मेरा सरकार से और मंत्री महोदय को सुझाव है कि आज भी पंचायतो की स्थिति यही है यह बिल तो ये ले आए है लेकिन इसमे थोडे सुधार की गुजांइ ा है मै भी संरपचत रहा हू ब्लाक समिति का चैयर मैन रहा हू इसलिए कहना चाहूंगा कि आज ग्राम पंचायत या संरपच को अगर कोई अधिकार नही ि कवे बी0डी0पी0ओज0 को कोई निर्दे ा दे सके। मेरा सरकार को सुझाव है कि पंचायतो और ब्लाक समिति को कुछ अधिकार दिए जाए ताकि जो भ्रश्टाचार इस स्तर पर चल रहा है जिसमे पंचायतो को गुजरना पड रहा है, खत्म हो सके। अन्त मे मै इस बिल का स्वागत करता हू लेकिन साथी ही यह अनुरोध

करता हू कि इस बिल मे थोडा सं ाोधन करके पंचायतो को और अधिकार दिए जांए।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा इण्स्ट्रियल प्रोमी ाल बिल, 2005

Mr. Speaker: Now, a Minister will introduct the Haryana Industrial promotion Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to introduce the Haryana Industrial Promotion Bill, 2005.

Sir, I also Beg to move-

That the Haryana Industrial Promotion Bill be taken in to consideration at once.

Mr. Spekaer: Motio moved-

That the Haryana Industrial Promotion Bill be taken in to consideration at once.

श्री बलबीर सिंह (एस0सी0सढौरा): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हू कि मंत्री महोदय जो हरियाणा इंडिस्ट्रियल प्रमो ान बिल लाए है उसमे चैप्टन 2 मे 3 कमेटीज है, 5 करोड तक डिस्ट्रिक्ट लैवल पर, 5 करोड से 30 हजार तक

स्टेट लैवल पर और 30 करोड से ऊपर के लिए हाई पावर्ड परचेज कमेटियों बनी हुई है। आज भी जी0एम0 डिस्ट्रिक्ट लैवल पर बैठे है। स्टेट लैवल पर एच0एस0आई0डी0सी0 काम कर रही है और हाई पावर्ड परचेज कमेटी भी बनी हुई है। मेरे कहने का मतलब है कि जब हाई पावर्ड परचेज कमेटी बनी हुई है तो फिर इस दूसरी कमेटी के बनाने का क्या औचित्य है? इसके बाद चैप्टर दो मे क्लाज 13 के अनुसार जब कमेटियां बन जाएगी तो कमेटी के जो मैम्बर्ज है, चेयरमैन है या कोई भी सदस्य है, चाहे वे पब्लिक रिप्रैजेटेटिवं है या दूसरा कोई भी सदस्य है अगर उसकी वजह से कोई डिले होती है तो उस मैम्बर को कोई सजा का प्रोवीजन इस बिल मे नही है। जबकि जो यूनिट है उसको गिलटी मानकर उसको सजा का प्रोवीजन इस बि मे है। ये दो मापदण्ड क्यो है ? इसलिए मेरा सुझाव है कि अगर यूनिट कोई गलत काम करता है तो उसको सजा मिल सकती है तो कमेटी के चेयरमैन या मैम्बर की तरफ से कोई डिले होती है तो उसको भी सजा मिलनी चाहिए। दोनो आदमियों के लिए कानून एक जैसा होना चाहिए, धन्यवाद।

डा0 सु ीला इन्दौरा(एस0सी0 ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, मै इस बिल का विरोध नही कर रहा हू। मै बिल के जो आब्जेक्टस है उसके बारे मे कुछ कहना चाहता हू इस बिल के जो आब्जैक्टस है उसमे एक बात कही गई है to promote the industrial development और उसके लिए to attract all

investiment of the multinational and बडे औधोगिक घराने है, उसमे कुछ क्लाज ऐसी है जिसमे उनको प्रोटैक ान नही है जो व्यक्ति इण्डस्ट्री लगाता है वह पैसा उधार ले कर लगाता है या ही से लोन लेता है और इण्डस्ट्री लगाता है उसके लिए इसमे कोई प्रोटैक ान नही है इसलिए इसमे ऐसा कुछ कानूनी प्रावधान रखा जाना चाहिए जिस तरह से इस बिल मे यह लिखा गया है कि जो मैम्बर्ज या चैयरमैंन होगे वे गुड फेथ मे जो भी फैसला लेगे वह फाईनल होगा और उसको कही पर भी चैलेज करने का कोई प्रावधान नही है। nothing is challengeable एक गरीब आदमी कही से लोन ले कर इण्डस्ट्री लगाता है और गुड फेथ मे कही पर उससे भी गलती हो सकती है, अगर किसी इण्डस्ट्रियललिस्ट से कोई गलती हो जाए इसमे कोई बडी बात नही है और उस गलती को ठीक करने के लिए इस बिल मे कही पर कोई प्रोविजन नही किया गया है कि वह व्यक्ति कोर्ट मे जा सके और उसे पर चैलेज कर सके। अध्यक्ष महोदय, इस बिल मे कोई ऐसा सिस्टम जरूर होना चाहिए कि गुड फेथ मे उसके मैम्बर्ज या कमेटी के चेयरमैन से अगर कोई गलती होती है या इण्डस्ट्रियललिस्ट के साथ कोई ज्यादती होती है तो उसके खिलाफ वह कोर्ट मे जा कर अपनी बात कर सके। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने एक इण्डस्ट्रिय पांलिसी बनाई थी कि हम वि ोशतौर से इण्डस्ट्री को बढावा देगे जो Coordination between the labour in between the industries, in between the Governnment कोई ऐसा प्रोविजन हो कि वह अपनी बात को कानूनी तौर पर कह सके। लेकिन इसमे ऐसा कही पर भी

कोई प्रावधान नही है कि वह कानूनी लडाई लड सकता है। इसलिए मेरा यह सुझाव है कि इस बिल मे सुधार करके इसको लागू किया जाए तो यह सही कदम होगा।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रान्त मे एक नई औधोगिक क्रान्ति का सूत्रपात करने के लिए हरियाणा इण्डस्ट्रियल परमो ान बिल, 2005 इस विधान सभा मे हम लेकर आए है जैसे इस बिल के आबजैक्ट्स एण्ड रीजन्ज मे लिखा है कि जो रैगुलेटरी फ्रेम वर्क इण्डस्ट्री लगाने के लिए, उसके स्पीडो इम्पलीमैटें ान के लिए आज किसी भी प्रान्त के अन्दर इण्डस्ट्रीज मे निवे ा करने के लिए नए उधोग लगाने के लिए यह एक जरूरी माप दण्ड है। स्पीकर साहब, आज सारे प्रान्त अपने अपने प्रान्तो के अन्दर ज्यादा से ज्यादा निवेदन करना चाहते है ताकि ज्यादा से ज्यादा रोजगार का सृजन हो और ज्यादा ज्यादा उधोग वहां पर आए इस तरह का प्रावधान करना चाहते है। हरियाणा प्रान्त मे चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा के कु ाल नेतृत्व मे हमने यहां पर एक नई क्रान्तिकारी पहल की है माननीय साथी श्री इन्दौरा साहब का जो सुझाव था मै केवल उनकी जानकारी के लिए यहां पर बताना चाहूंगा कि This is and industrial promotion Bill. This is not to promote better relationship between the labour and industry. वह डिफरैट ऐक्ट एण्ड डिफरैंट कानून है। स्पीकर साहब, हरियाणा की सरकार ने वि ोश प्रावधान किया है कि जो मोटे तौर पर कहा है कि जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट लैवल पर क्लीसरैंस कमेटी बनाई गई है। अगर कोई

उधोगपति जो पांच करोड तक का निवे ा करना चाहेगा वह आए और उसको सिंगल प्वायंट क्लीसरैंस इस बिल के माध्यम से हरियाणा की सरकार देगी। इस प्रकार से पांच करोड तीस करोड का निवे ा अगर कोई लेकर आएगा तो प्रान्तीय स्तर की जो कमेटी है वह उसको सारी क्लीयरैसिंज देगी। एक ही जगह पर उसका निवे ा 30 करोड रूपये से अधिक होगा तो हाई पांवर क्लीयरैंस देगी। एक ही जगह पर उसका निवे ा 30 करोड रूपये से अधिक होगा तो हाई पावर क्लीयरैंस कमेटी सभी की क्लीयरैंस वह उस उधोगपति को देगी ताकि उसकी सभी जरूरीयात हम जल्दी से जल्दी पूरी कर सके। और उतर प्रदे ा के अन्दर ज्यादा निवे ा आए प्रदे ा की तरक्की हो और अधिक रोजगार का सजृन हो और जितना जल्दी हो सके राज्य मे उधोग धन्धे लग सके। स्पीकर साहब, इस सरकार के गठन के बाद प्रदे ा मे उधोग तथा कृशि मे एक नई क्रांति आई है तथा पूरा माहौल तथा फिजां बदली है। हुक्मरानों के साथ ही प्रान्तो की फिजां बदलती है। स्पीकर साहब, एक समय वह भी था जब आपने भी देखा और हमने भी देखा तथा प्रान्त मे एक करोड से अधिक लोगो ने भी देखा जब सरकार की मन् ाा यह होती थी कि किस तरह से ज्यादा से ज्यादा लूट खसोट की जाए। उस समय आंतक का सरकारीकरण कर दिया गया था। स्पीकर साहब, गुण्डागर्दी का आलम चण्डीगढ सचिवालयो से चला करता था और उधोगपतियो के घरो के आगे, फैक्ट्रियो के आगे खाईया खोद दी जाती थी और जब तक वे लोग एक वि ोश रा ि ा व्यक्ति वि ोश को नही

देते थे तब तक उनके उधोग धन्धे को चलने तक की इजाजत नही दी जाती थी। स्पीकर साहब, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा के नेतृत्व मे कांग्रेस पार्टी की सरकार ने इस प्रथा तथा तौर तरीके को बदला है और हमने नई रवासते डाली है और एक प्रारद र्ी तथा ईमानदार सरकार का गठन हुआ है। और इस प्रथा के चलते हम एक पारद र्ी बिल लेकर आए है हरियाणा मे जहां की किसी भी प्रान्त मे भी कोई उधोगपति चाहे वह राश्ट्रीय स्तर से आए या अन्तर्राश्ट्रीय स्तर से आए, निवे ा करना चाहे कर सकता है। किसी को भी एक पैसा दिए बगैर हो उसको फाटफट क्लीयरैंस दी जाएगी। स्पीकर साहब, इस बात का भी प्रावधान इस बिल मे किया गया है कि अगर एक वि ोश सीमा के अन्दर उसको क्लीयरैंस नही दी जाएगी तो एक डिम क्लीयरैंस उसके सारे प्रोजैक्ट को दी गई मानी जाएगी। आज मुझे विपक्ष के साथियो से आ ाा थी कि इस मुद्दे पर जो कि प्रान्त की तरक्की का मुद्दा है, इस प्रान्त को आगे ले जाने का मुद्दा है, नौजवानो के लिए रोजगार पैदा करने का मुद्दा है के बारे मे ये सब आगे बढकर मुख्यमंत्री जी को भाुक्रिया करेगे और इस बिल की ताईद करेगे लेकिन इनकी तो बाल की खाल निकालने की आदत है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सदन से अनुरोध करता हू कि इस बिल को पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Question is-

That Haryana Industrial Promotion Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clasue.

Clause-2 of Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause 2 of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3 of Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause 3 of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1 to 16

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 to 16 stand part of the Bill.

The motion was carried..

Sub-Clause-3 of Clause-1

Mr. Speaker: Question is

That Sub Clause 1 of Clause Clause 1 stand part of the Bill.

Enactting Formula

Mr. Speaker: Question is

That Enactting Formula be the Enactting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

श्री एस0एस0 सुरजेवाला (कैथल): स्पीकर साहब, मै हरियाणा सरकार को इस बिल को लाने के लिए बहुत धन्यवाद और बधाई देता हू। वाकई मे हरियाणा मे बेरोजगारी और आर्थिक पिछडापन का अगर सबसे बडा कोई कारण थ तो यह था हरियाणा मे इण्डस्ट्रीलाईजे ान । इस बारे मे एक सच बात है कि

आज पूरे संसार मे बहुत नजदीकी आ गई है और आज व्यापार मे तमाम रूलज और लाल फिता ाही बहुत की क्वीक पेस से खत्म की जा रही है उसमे आज हरियाणा इस बिल को लाए बिना कदम से कदम मिलाकर चल नही सकता था। पिछली सरकार ने बहुत भाोर मचाया, पूरी दुनिया मे गई और सैरे करी। कभी साथ मंत्रियो को, कभी एम0एल0एज0 को, कभी आफिसरर्ज को और कभी इण्डस्ट्रियलिस्टस को साथ ले गए थे। स्पीकर साहब, यह लूट की इण्डस्ट्री पिछली सरकार के वक्त मे थी। उस वक्त मे हरियाणा मे कोई दूसरी इण्डस्ट्री नही आई थी सच बात तो यह है कि जो यहां पर हजारो उधोग थे वे इनकी लूट के कारण हरियाणा से प्लायन कर गए और इन्होने जो अपराधो को हरियाणा मे एन्क्रेज किया उस कारण से भी उधोग प्लायन कर गए थे। अब स्टेट मे परोपर वातावरण बना है, लोगो का वि वास और इण्डस्ट्रियाल्सिट का वि ावास संरकार मे और इस प्रांत के लोगो मे दुबारा से बना है। इस समय मे यह बिल लाना बहुत ही एप्रि िाएबल है। यह बिल बहुत ही अच्छे समय मे लाया गया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इतना ही कहना चाहूंगा कि इस बिल मे एक तो यह नही बताया गया है कि जो तीन टायर कमेटीज बनेगी जैसे हाई पावर्ड कमेटी है, स्टेट की कमेटी है या डिस्ट्रिक्ट कमेटी है तो इनके कौन लोग मैम्बर्ज होगे, कौन लोग इनके चेयरमैन होगे क्योंकि हमको इस बात का खद ाा है कि अगर इनके मैम्बर्ज और चेयरमैन अफसर ाही के लोग ही हुए तो फिर लालफीता ाही को पूर्ण रूप से खत्म नही किया जा सकेगा। मै समझता हू कि

टैक्नीकल लोग, डिपार्टमैंट सैक्रेट्रीज और कंसर्ड ओफिसर्ज इन कमेटी के मैम्बर्ज होने बहुत जरूरी है लेकिन ऐक्चुअल मे पूरी कमेटी की जो लगाम होगी, जो इनका स्टैयरिंग होगा व किन लोगो के हाथ मे होगा? मै यह भी चाहूगा कि जब मंत्री जी जवाब दे तो वे हाउस को इस बारे मे अवगत करवाए। अध्यक्ष महोदय, मैने कोई दफा इस बिल की तीन चार क्लाज पढी है क्योकि मै खुद इनको समझना चाहता था लेकिन हो सकात है कि मै इनको समझ नही सका हूंगा। इसमे हर क्लाज मे एक ही बात आयी है कि मै इस बिल की एक क्लाज को पढ देता हू। स्पीकर साहब, इस बिल के चेयर 2 की क्लाज 2 (वी) मे लिखा है कि–

" The member of the Committee shall Personally attend the meeting and in case he is ubale to attend the meeting, he mey depute a senior level officer to attend the meeting with a written authorization to take appropriate decision in the meeting."

यह बहुत जगह आया है डिस्ट्रिक्ट लेवल पर भी, हाई पावर्ड लेवल पर भी कि the member of the Committee. A member of the Committee. होता तो ऐप्लीकेबल हो सकता था बहुत से आफिसज के लिए भी और बहुत से लोगो के लिए भी। The member of the Committee is a particular person. वह कौन है वह जरा मुख्यमंत्री जी जवाब देते वक्त इस पर रो ानी डालने की कोि ा ा रके। बाकी इस बिल के बारे मे जितना भी कहा जाए वह थोडा है। अभी मुख्यमंत्री जी और अधिकारी भी विदे ा

जाकर आये है और बहुत सी कम्पनियां जैसे कोरिया और जापान की कम्पनीज है उनसे वे जो बडा वायदा लेकर आये है और बहुत एनकरेजिंग है। इसके अलावा उनकी यहा पर भी पिछले दो चार महीनों मे इस बारे मे काफी मीटिग्ंज हुई है। इस सरकार ने आने के बाद काफी विदे ाी लोग स्टेट इन्वैस्टमैंट करने के लिए आये भी है। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही उत्साहजनक बात है मै समझता हू कि कि इसमे और डिले की जरूरत नही है। सारी फार्मेलिटीज और लालफीता ााही को ड्रैस्टिकली कट करना ही चाहिए और एन्टरपिनयोर को एनकेरज करना चाहिए। इसी से हरियाणा की बढती हुई बेरोजगारी दूर होगी, इसी से हरियाणा का सामाजिक और आर्थिक पिछडापन दूर होगा और दिमाग मे रो ानी आएगी। मुझे उम्मीद है कि परमात्मा हमारे सज्जे हाथ बैठने वालो को भी रो ानी देगा।

श्री नरे ा यादव (अटेली): आनरेबल स्पीकर साहब, यह जो इण्डस्ट्रियल प्रमो ान बिल आज हाउस मे लाया गया है इसके लिए मै सरकार को मुबारकवाद देता हू। हमारे दक्षिणी हरियाणा मे अहीरवाल क्षेत्र मे महेन्द्रगढ जिले को मोस्ट बैकवर्ड घोशित किया हुआ है। पिछले विधान सभा सत्र मे भी इस बारे मे काफी बहस हुई थी। तब हमारे उधोग मंत्री ने यह कहा था कि महेन्द्रगढ जिले की डिवैल्पमैंट की जाएगी और वहा पर इस बारे मे सर्वे करवाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, उस समय मैने सुझाव दिया था कि अटेली के नजदीक लगता हुआ बहरोड जिले का जो नीमराणा औधोगिक

क्षेत्र है यह हमारे जिले की सीमा से केवल सात किलोमीटर की दूरी पर ही है। आज वहां पर काफी ज्यादा इण्डस्ट्रियाल्सिट हो रही है और सैकडो बडी बडी इंडस्ट्री वहां पर लग चुकी है। हमारा इलाक भी वहां पर साथ साथ लगता हुआ ही है। हमारा सारा जिला उससे घिरा ही है तो मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या कोई ऐसा प्रावधान किया जाएगा कि जिला महेन्द्रगढ मे भी इंडस्ट्रीज को प्रमोट करेगे? क्या कोई ऐसी स्कीम बनायी जाएगी कि जब इण्डस्ट्रियाल्सिट नीमाराणा मे जांए तो वे यह भी सोचे कि नीमाराणा के नजदीक जो नांगल चौधरी, अटेली मंडी या नारनौल का एरिया है वह इंडस्ट्रीज लगाने के लिए अच्छा है और वे वहां पर भी अपना इंडस्ट्रीज लगाने के लिए प्रोत्साहित हो, क्या कोई ऐसा प्रावधान मुख्यमंत्री जी करवाएगे कि लोग अपने इंडस्ट्रीज लगाने के लिए महेन्द्रगढ जिले मे जांए जिससे वहां के हमारे लोगो को रोजगार मिले।

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक (गोहाना): स्पीकर साहब, मै हरियाणा इण्डस्ट्रियल प्रमो ान बिल का समर्थन करता हू लेकिन इसके बारे मे 2–3 सुझाव देना चाहता हू क्योंकि बिल के आने से यह ठीक है कि प्रदे ा का बहुत आर्थिक लाभ भी होगे, बेरोजगारी खत्म होगी और पिछले पांच सालो मे जो बहुत सारी इंडस्ट्रीज यहां से चली गई, कोई भिवाडी चला गया, कोई भद्दी चला गया और कोई नालागढ चला गया और ऊपर का दिखावा यह होता रहा कि हरियाणा बहुत तरक्की कर रहा है। लेकिन अब वाकई मे

इसे कानून की भाक्ल दे दी है और यह जाहिर हो गया हे कि सरकार इंडस्ट्रीज को प्रमोट करेगी, लेकिन इसके लिए मेरा सुझाव यह भी है कि एक तो जो एरिया आलरेडी इण्डस्ट्रियली बैकवर्ड डिक्लेयर्ड है उनको ज्याद इसैंटिव दिए जांए ताकि उन एरियाज की डिवैल्पमैट हो। दूसरी बात मै नौकरियो के बारे मे कहना चाहता हू कि जीब्स तो आएगी और फाइले क्लीयर करने के लिए सारा प्रावधान कर दिया, सब कुछ मिलेगा, सभी तरह की असिस्टैस मिलेगी, फाइनैि ायल असिस्टैस मिलेगी, लेकिन कम से कम जो नांन टैक्नीकल जोब्स है वह हरियाणा के ही डौमिसाइल्स को मिलनी चाहिए, बाहर के लोगो को न मिले इससे हरियाणा के बेरोजगार नवयुवको को भला हो सकता है। यह मेरा सुझाव है।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी ने एक कमेटी के बारे मे पूछा है और उसके कास्टीब्यू ान के बारे मे पूछा है कि अगर इस एक्ट को 2 के देखा जाए तो उसके अंदर यह प्रिस्कराइव किया है prescribed means, prescribed by rules made under th Act, इस कमेटी का गठन रूल्ज के अंदर किया जाएगा मोटे तोर पर सेल्ज का प्रारूप तैयार किया है। मै आपके माध्यम से पूरे हाउस को और मैबंर साहेबान को इस बात के लिए आ वस्त करना चाहता हू कि टैक्नीकल ऐक्सपर्ट्स और जिम्मेदारी आफीसर्ज इस कमेटी के अंदर आएगा। पूरी पारदि िता इसकी फंक ानिंग मे होगी। कही कोई कोताही की गुजांइ ा हम नही छोडने वाले। जहां तक इसके

स्टेयरिंग का सवाल है इसका स्टेयरिंग चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा जी के हाथ मे है और वह ठीक चलेगा। माननीय सदस्य श्री नरे ा यादव ने दक्षिणी हरियाणा के बारे मे पूछा है मै इनको बताना चाहूंगा कि इसका इस प्रकार का इंडस्ट्रियल प्रमो ान बिल ही जवाब है। इसका इरादा आपके उधोगो को आगे जाकर राजस्थान मे न जाने देने का है। हम उनको थोडे समय मे पारदर्ि ता से ईमानदारी से यहीं पर सुविधाये देगे तो कोई कारण नही है कि बडे उधोग आपके इलाके को छोडकर आगे जाएगे। अगला फोकस पूरी सरकार का चाहे पानी का मामला है, चाहे बिजली का मामला है, चाहे उधोग धंधो का मामला है, उसका हमारा केन्द्रबिंदु दक्षिणी हरियाणा है और आप आ वस्त रहे, आप अगले कुछ दिनो मे कुछ महीनो मे परिवर्तन देखेगे, जमीन स्तर पर भी, रोजगार के सृजन मे भी और निवेश के अंदर भी परिवर्तन देखेगे। माननीय श्री धर्मपाल सिंह मलिक ने इसके अलावा बैकवर्ड क्लांसिज एरियाज को इंसैटिव देने की बात कही है। मेरी जानकारी के मुताबिक बताना चाहूंगा कि एल0ए0डी0टी0 और वैट दोनो को अभी तक कुछ इंसैटिव हरियाणा की सरकार बैकवर्ड क्लासजि एरिया को देती है हमारे इण्डिस्ट्रयल पांलिसी की कापी मै माननीय सदस्य को भिजवा दूंगा ताकि माननीय सदस्य इसकी पूरी जानकारी ले सके। चौधरी धर्मपाल मलिक ने हरियाणा के बेरोजगार युवको के लिए रोजगार सृजन की बात कही है यह हमारी सरकार और मुख्यमंत्री जी की पहली प्राथमिकता है और जो इन्होने केवल नांन टैक्नीक्ल जौब्स की बात कही है, केवल नांन

टैक्नीकल ही नही टैक्नीकल जोब्स भी दी जाएगी। एजूके ान सिटी का गठन आपकी सरकार कर रही है। अलग अलग ि ाक्षण संस्थानो का जो प्रसार है वह यह सरकार कर रही है ताकि हमारे यहां के बच्चे टैक्नीकल पोस्ट और नांन टैक्नीकल पोस्ट दोनो मे अव्वल आए। मै माननीय सदस्य को आ वसत करना चाहता हू कि इन उधोगो के अंदर काम हरियााण के मूल निकासियों को ही मिलेगा, मै आपके माध्यम से सदन से यह अनुरोध करता हू कि यह बिल पारित कर दिया जाए।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow.

16.45 hrs.

(The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 15th December, 2005)